हरिभूमि
रायपुर भूमि

सर्दी-जुकाम लेकर आई कड़ाके की ठंड, छोटे बच्चों को ब्रोंकियोलाइटिस का जोखिम, बढ़ गए 20 फीसदी मरीज

सरकारी अस्पतालों में बढ़े मौसमी बीमारी से संबंधित मरीज, बच्चों को जोखिम ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

राज्य में ठंड अपने साथ सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी समस्या लेकर आई है। सरकारी अस्पतालों में मौसमी बीमारी के मरीज 20 फीसदी तक बढ़े हैं, जिसमें ब्रोंकियोलाइटिस की समस्या वाले छोटे बच्चे भी शामिल हैं। फेफड़े की वायु नसों में होने वाले संक्रमण की वजह से बच्चों को सांस लेने में दिक्कत होती है और शिकायत बढ़ने पर उन्हें भर्ती कर इलाज भी करना पड़ता है। सर्दी का मौसम श्वांस संबंधी समस्या के पीड़ितों के लिए जोखिम भरा होता है। इसके साथ ही मौसमी बीमारी यानी सर्दी-खांसी की परेशानी भी थोक में सामने आती है। राज्य में ठंड प्रारंभ हो चुकी है और मौसमी बीमारी से पीड़ित होने वालों की संख्या अस्पताल में बढ़ने लगी है। आंबेडकर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में आने वाले मरीजों में दस से फीसदी लोग सर्दी-जुकाम जैसी समस्या से पीड़ित हैं। इन मरीजों को आवश्यकता के अनुसार डाक्टर जांच के बाद दवा दे रहे हैं और तीन से चार खुराक में समस्या ▶▶| शेष पेज 11 पर

फैक्ट फाइल

वायरल इंफेक्शन

शिशु रोग विशेषज्ञ डा. निलय मोझरकर ने बताया कि ब्रोंकियोलाइटिस एक वायरल इंफेक्शन है। यह छोटे बच्चों के फेफड़ों में वायुमार्ग (ब्रोंकियोल्स) को संकरा कर देता है, जिससे सांस लेने में मुश्किल होती है। इसके लक्षणों में जुकाम, खांसी, और घरघराहट शामिल है, और यह आमतौर पर रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस के कारण होता है। ज्यादातर मामलों का इलाज घर पर ही हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा सांस लेने में बहुत तकलीफ महसूस करे, तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

अस्थमा की शिकायत भी

ठंड के इस मौसम में अस्थमा के पुराने पीड़ितों का खतरा बढ़ गया है। आंबेडकर अस्पताल के टीबी एवं चेस्ट रोग विभाग में अस्थमा, एलर्जी जैसी समस्या लेकर आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी हुई है। चिकित्सकों के मुताबिक ठंडी हवा निचले स्तर पर बहती है। इसकी वजह से वातावरण में मौजूद धूल नीचे आते हैं और श्वांस संबंधी शिकायतों से पीड़ित लोगों के परेशानी का कारण बनते हैं। विभागीय चिकित्सक डा. रोशन सिंह राठोर ने बताया कि ओपीडी में आने वाले 20 फीसदी मरीज मौसम की समस्या से पीड़ित हैं।

खबर संक्षेप

एक्सीडेंट के बाद मारपीट

रायपुर। एक्सीडेंट के बाद मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने दो नाबालिग सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बालोद निवासी रानिल विजय सिंह की शिकायत पर पुलिस ने पंडरी निवासी अनीष वर्मा, विधानसभा निवासी शैलेन्द्र सिंह तथा दो अन्य नाबालिक को गिरफ्तार किया है। रानिल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि सोमवार को वह अपने दोस्त के साथ साइंस सेंटर के पास चाय पीने के लिए जा रहा था। इस दौरान शैलेंद्र तथा उसके साथी ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार कार चलाते हुए रानिल की दोपहिया को ठोकर मार दी। रानिल के साथी ने कार ठीक से चलाने कहा। इस बात से नाराज होकर शैलेंद्र तथा उसके साथियों ने दोपहिया में तोड़फोड़ कर रानिल तथा उसके साथियों के साथ मारपीट की।

फैक्ट्री में चोरी के आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। उरला थाने की पुलिस ने फैक्ट्री में मशीन के उपकरण, केबल तथा डेढ़ लाख रुपए के अन्य सामान चोरी के आरोप में तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। गायत्री इंडस्ट्रीज में चोरी के आरोप में पुलिस ने किशोर चतुर्वेदी, चंदन टंडन तथा अजय रात्रे को गिरफ्तार किया है। शातिरों ने मंगलवार को चोरी की थी। सीसीटीवी फूटेज के आधर पर चोरों की पहचान कर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

डोडा के साथ राजस्थान का युवक गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर राजस्थान के एक युवक के कब्जे से 5 हजार रुपए कीमत का दो सौ ग्राम डोडा चूरा जब्त किया है। पकड़े गए युवक के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस के अनुसार राजस्थान, जोधपुर निवासी श्रवण विश्नोई को डोडा चूरा के साथ गिरफ्तार किया है। श्रवण को पुलिस ने रावणभाठा, ट्रांसपोर्ट नगर के पास से गिरफ्तार किया है।

रोड पार कर रहे युवक को ट्रक ने कुचला

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात कोड क्रास कर रहे एक युवक की ट्रक से कुचल जाने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मर्ग कामय कर आरोपी ट्रक चालक की पतासाजी कर रही है। रोड एक्सीडेंट में महासमुंद निवासी खिलेश प्रधान की मौत हुई है। खिलेश हीरापुर में सुमित बाजार में काम करता था। घटना दिनांक को वह महासमुंद से रायपुर आने के बाद घर जाने अपने दोस्त को बाइक लेकर बुलाया था। खिलेश रोड पार कर रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने खिलेश को कुचल दिया। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।

सोशल मीडिया में हिंसक, उत्तेजक वीडियो गेम के माध्यम से ब्रेनवाश कर किया अपने वश में

पाकिस्तान माड्यूल के आतंकियों से पांच साल से संपर्क में थे पकड़े गए नाबालिग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सोशल मीडिया के माध्यम से आईएसआईएस पाक माड्यूल से जुड़े किशोरों के पिछले चार-पांच वर्ष से संपर्क में थे। एटीएस के अफसरों के अनुसार इस तरह आतंकी संगठनों द्वारा बच्चों को वश में कर ब्रेन वाश करना रेयर केस है। बच्चों को आतंकी बनने प्रेरित करने की घटनाएं पूर्व में जम्मू कश्मीर को छोड़ किसी अन्य राज्य में देखने को नहीं मिली है। जम्मू कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ में इस तरह की पहली घटना है, जिसमें आतंकियों ने बच्चों को टार्गेट किया है।

जानकारी के मुताबिक एटीएस ने जिन दो किशोरों को आतंकी संगठन के संपर्क होने के आरोप में पकड़ा है, वो दोनों आपस में दोस्त हैं। दोनों भिलाई के रहने वाले हैं। एक लड़का पिछले वर्ष अपने परिजनों के साथ रायपुर में शिफ्ट हुआ है। सूत्रों के मुताबिक सोशल मीडिया गेम खेलते हुए दोनों किशोर आतंकियों के संपर्क में आए। इसके बाद आतंकियों ने बच्चों को झांसे में लेने अलग-अलग फेक आईडी से संपर्क कर देश विरोधी गतिविधि में शामिल होने प्रेरित किया।
बच्चों को अपने वश में करने के लिए आतंकियों ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के माध्यम से बच्चों को उत्तेजक तथा हिंसक गेम भेजकर डाउनलोड कराया। इसके बाद आतंकी संगठन से जुड़े लोगों ने गेम के माध्यम से काफिरों का कैसे सफाया करना है, काफिरों को मारने प्रताड़ित करने से सवाब मिलने के भ्रम में बच्चों को फंसा चुके थे।

दोनों लड़कों का आतंकियों ने पूरी तरह से ब्रेनवाश कर दिया था

इनक्रिप्टेड, डार्क वेब की जानकारी

आतंकी संगठन ने जिस मंसूबे से अपने झांसे में लिया था, देश के खुफिया तंत्र को इस बात की भनक नहीं लगे, इसके लिए पाक माड्यूल के आतंकी दोनों बच्चों को ऐसे इनक्रिप्टेड साइट तथा डार्क वेब के बारे में चैट के माध्यम से पूरी तरह से ट्रेंड कर चुके थे। दोनों बच्चे डार्क वेब तथा इनक्रिप्टेड साइट के माध्यम से आतंकियों के लगातार संपर्क में थे।

परिजनों को जानकारी नहीं

छात्रों के परिजनों को अपने बच्चों के आतंकियों से जुड़े होने की जानकारी नहीं है। बच्चों को उनके परिजनों ने पढ़ाई की तैयारी के लिए लैपटॉप तथा मोबाइल खरीद कर दिया था। आतंकी संगठन ने दोनों लड़कों को उनसे जुड़े होने की जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं करने के लिए कहा था।

पाकिस्तान के आईएसआईएस से जुड़े रायपुर भिलाई के दो नाबालिगों को एटीएस ने दबोचा

ट्रेनिंग के अंतिम चरण में पहुंच चुके थे

खुफिया सूत्रों के मुताबिक दोनों बच्चे आतंकियों के संपर्क में चार-पास साल रहने के बाद पूरी तरह ट्रेंड हो चुके थे। साथ ही दोनों काफी एरोगेंट हो गए थे। संसाधन मिलने पर किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते थे। पाक माड्यूल के आतंकी संगठन दोनों बच्चों को घटना को अंजाम देने प्रेरित करने लगे थे। साथ ही उनके मन में भारत के प्रति पूरी तरह से जहर भर दिया गया था।

सौ से ज्यादा लड़कों का बना चुके थे ग्रुप: सूत्रों के अनुसार दोनों किशोर आतंकी संगठन के इशारे पर सौ से ज्यादा लड़कों का ग्रुप बना चुके थे। जिन लोगों का दोनों ने ग्रुप बनाया था, एटीएस उनके बारे में जानकारी जुटा रही है। ग्रुप में शामिल लड़के छत्तीसगढ़ के साथ और किन राज्यों के लोग जुड़े हैं, एटीएस इसकी जानकारी जुटा रही है।

पूछताछ के बाद टार्गेट में लिया

सूत्रों के मुताबिक दोनों लड़कों की सोशल मीडिया में संदिग्ध गतिविधि मिलने पर एटीएस करीब दो वर्ष पूर्व पूछताछ कर चुकी है। इसके बाद एटीएस ने दोनों लड़कों की सोशल मीडिया के साथ उनकी गतिविधियों की निगरानी बढ़ा दी थी। एटीएस के पूछताछ करने के बाद दोनों लड़के काफी सावधनी बरतने लगे। इसके बाद दोनों लड़के ऐसे इनक्रिप्टेड साइड जिसे जांच एजेंसी ट्रेस न कर सके, उस साइट के माध्यम से आतंकियों के संपर्क में थे। तकनीकी साक्ष्य जुटाने के बाद एटीएस ने दोनों किशोरों के इनक्रिप्टेड साइट को क्रेक कर पकड़ा है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संपर्क में थे

आतंकियों के खिलाफ मई में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दोनों लड़के आतंकियों के संपर्क में थे। आतंकियों के कहने पर दोनों लड़कों ने ऑपरेशन सिंदूर के समय जिस क्षेत्र में सुरक्षाबलों का मूवमेंट था उसके साथ वार से जुड़े सैनिकों को मूवमेंट की जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के आधार पर दोनों किशोरों ने जानकारी तैयार कर आतंकियों तक पहुंचाने का काम किया।

सरगुजा में चली शीतलहर, आने वाले दिनों में मिलेगी राहत

राज्य के न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की वृद्धि, पांच दिन और चढ़ेगा तो कम होगी ठंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हवा की दिशा पूर्वी होने के बाद पिछले चौबीस घंटे में राज्य के न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। अगले पांच दिन तापमान और चढ़ने की गुंजाइश है, जिससे बढ़ती ठंड से राहत मिलेगी। अभी सरगुजा के कुछ जिलों में शीतलहर के हालात बने हुए हैं, जिसका असर भी आने वाले दिनों में कम होने की संभावना है। बुधवार को दिन में धूप तेज होने का अहसास हुआ। राज्य में कड़ाके की ठंड का पहला दौर बीतने के बाद अब सप्ताह दिन का ब्रेक लग गया है। राज्य में आने वाली हवा की दिशा पूर्वी हो गई है, जो नमी लिए हुए है। इसका सीधा असर राज्य के न्यूनतम यानी रात के तापमान में हुआ है। पिछले चौबीस घंटे के ▶▶| शेष पेज 11 पर

बलरापुर-जीपीएम में स्कूल का समय बदला

प्रदेश के उत्तरी इलाकों में पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच बलरामपुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विद्यालय के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर ने इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिया है। दो पाली में संचालित होने वाले स्कूलों में प्रथम पाली की कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगी। शनिवार को दोपहर 12.45 बजे से 4.15 बजे तक कक्षाएं संचालित होंगी।

प्राचार्य पदोन्नति का ग्रहण हटा, कल से काउंसिलिंग

- 21 नवंबर से प्राचार्य पोस्टिंग की काउंसिलिंग, शंकर नगर स्थित शिक्षा महाविद्यालय में होगी काउंसिलिंग
- 17 से 19 नवंबर तक होनी थी पूर्व में काउंसिलिंग, दावा-आपत्तियों के लिए किया गया था स्थगित
- एक दिन में बुलाए जाएंगे 300 कैंडिडेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

प्रदेशभर के व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों के प्राचार्य पद पर काउंसिलिंग को लेकर लगा ग्रहण आखिरकार हट गया है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संदर्भ में बुधवार को आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, अब प्राचार्य काउंसिलिंग 21 से 24 नवंबर तक होगी। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बीएड कॉलेज में यह काउंसिलिंग होगी। प्रत्येक दिन 300 उम्मीदवारों को आमंत्रित किया जाएगा। किस व्याख्याता अथवा प्रधान पाठक को काउंसिलिंग के लिए कब बुलाया जाएगा, इसका शेड्यूल भी डीपीआई जारी करेगा। इसके पूर्व प्राचार्य पद पर काउंसिलिंग 17 से 19 नवंबर तक आयोजित की जानी थी, लेकिन शिक्षकों की आपत्ति के बाद इसे रोक दिया गया था। उनका यह कहना था कि उन्हें पदोन्नति सूची पर दावा-आपत्ति के लिए वक्त नहीं दिया गया। इसे देखते हुए पूर्व निर्धारित काउंसिलिंग तिथि के एक दिन पूर्व अवकाश दिवस पर रविवार को आदेश जारी कर काउंसिलिंग अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। अधिकतर दावा आपत्ति सूची में नामों के क्रम को लेकर है। चूंकि सूची पीएससी से अनुमोदित है, इसलिए आपत्तियों को विशेष उल्लेखनीय ना पाते हुए काउंसिलिंग का निर्णय लिया गया है।

इस माह रिटायर होने वाले प्राचार्यों को राहत

काउंसिलिंग तिथि जारी होने के बाद अब पदोन्नति का इंतजार कर रहे व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों ने राहत की सांस ली है। छग शिक्षक संघ सहित अन्य शिक्षकों ने भी डीपीआई के इस आदेश पर प्रसन्नता जताई है। छग शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, प्राचार्य पदोन्नति संबंधित सूची जारी होने के बाद ट्राइबल संवर्ग में पोस्टिंग काउंसिलिंग के माध्यम से की जा चुकी है। टी संवर्ग के काउंसिलिंग के नियम ई संवर्ग में भी फॉलो होगा। 21 से 24 नवंबर तक काउंसिलिंग के पश्चात 26 नवंबर को पोस्टिंग आदेश जारी होने से इस माह रिटायर होने वाले पदोन्नत प्राचार्य भी ज्वॉइनिंग दे पाएंगे। अब पदोन्नत प्राचार्य की प्रतीक्षा खत्म होगी। गौरतलब है कि अप्रैल माह में जारी सूची के अनुसार, प्रदेश के 1478 व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों को पदोन्नत किया जाना था, लेकिन इनमें से कई रिटायर हो चुके हैं और कई इस माह ही रिटायर हो जाएंगे।

पाइप लाइन लीकेज, मरम्मत के लिए 8 घंटे का शटडाउन

महीनेभर से लोग परेशान, दोपहिया, तिपहिया का मार्ग से निकलना मुश्किल, रोज लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- लोडेड गाड़ी दब रही

भाठागांव मुख्य मार्ग में गणेश ट्रेडर्स के पास पाइप लाइन लीकेज होने से सड़क बेहद खराब है, जगह-जगह गड्ढे होने और उसमें लीकेज का पानी भरने से कीचड़ से होकर लोगों को आना-जाना पड़ रहा है। सड़क के आधे हिस्से में जहां गड्ढों की भरमार है, वहीं आधे हिस्से में धूल उड़ने से राहगीरों और वाहन चालकों का बुरा हाल है। सड़क और नाली निर्माण के लिए सड़क खुदाई करने से मालवाहक गाड़ियां दबने लगी हैं। लीकेज मरम्मत के लिए नगर निगम का जल विभाग 21 नवंबर को 8 घंटे का शटडाउन लेगा। इसके कारण 150 एमएलडी प्लांट से भरने वाली 32 पानी टंकियों से 21 नवंबर की शाम जल प्रदाय नहीं होगा। महीनेभर से भाठागांव से इंटकवेल जाने वाले मुख्य मार्ग में पाइप लाइन लीकेज की मरम्मत नहीं होने से लोग परेशान हैं। लीकेज के कारण मुख्य मार्ग के सड़क की हालत खराब हो गई है। जगह-जगह गड्ढे होने और सड़क खुदाई के बाद मरम्मत नहीं होने से धूल के गुबार उठने से न केवल राजधानीवासी, बल्कि आसपास के गांवों से आने-जाने वाले परेशान हैं। इस मार्ग में दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया और पैदल तथा साइकिल से आने-जाने वालों को सुबह-शाम ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ता है। लोगों की शिकायत ▶▶| शेष पेज 11 पर

इन टंकियों से 21 की शाम नहीं मिलेगा पानी

भाठागांव, चंगोराभाठा, कुशालपुर पानी टंकी, डीडी नगर, ईदगाह भाठा, सरोना, टाटीबंध, कोटा, कबीरनगर, जरवाय, गोगांव, मठपुरैना पानी टंकी, लालपुर, अमलीडीह, अवंतिविहार, मंडी, मोवा पानी टंकी, सड्डू, दलदल सिवनी, रामनगर, कचना, आमासिवनी, देवपुरी, बोरियाखुर्द, जोरा, भनपुरी नया पानी टंकी, रायपुरा, कुकुरबेड़ा पानी टंकी। इसके अलावा 80 एमएलडी प्लांट से भरने वाली टंकियां बैरनबाजार नया पानी टंकी, देवेंद्र नगर नया पानी टंकी, संजय नगर, मोतीबाग पानी टंकी। इन टंकियों से 22 नवंबर की सुबह जल प्रदाय नियमित रूप से होगा।

निर्माणाधीन मकान से गिरने पर महिला की मौत

रायपुर। मुजगहन थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन शासकीय इंजीनियरिंग कालेज की तीसरी मंजिल से एक महिला मजदूर की गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार बेमेतरा निवासी ईश्वरी बाई (38) की मौत हुई है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक महिला जोड़ाई का काम कर रही थी। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह तीसरी मंजिल से गिर गई। सिर पर चोट लगने से गंभीर रूप से घायल महिला को साथी मजदूर अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसका महाबम्बर ड्रा दिनांक 22 नवंबर 2025 से निकाला जायेगा।
भाग्यशाली पाठकों के उपहार देने की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

खबर संक्षेप

मतदाता सूची को लेकर महंत लक्ष्मी नारायण दास वार्ड में हुई बैठक

रायपुर। मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर बुधवार को भाजपा पुरानी बस्ती मंडल के अंतर्गत महंत लक्ष्मी नारायण दास वार्ड क्रमांक 42 के समस्त बूथ अध्यक्षों और बीएलओ-2 के साथ इस कार्य को और अधिक गति प्रदान करने के लिए बैठक हुई। यह बैठक यादव समाज सामुदायिक भवन बंधुवापारा में की गई। बैठक में विधायक सुनील सोनी, एसआईआर कार्यक्रम के विधानसभा प्रभारी ललित जैसिंग, कार्यक्रम मंडल प्रभारी चूड़ामणि निर्मलकर, मंडल अध्यक्ष केदार धनगर, ज़ोन क्रमांक 5 अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद अम्बर अग्रवाल, पूर्व मंडल महामंत्री किरण अग्रवाल, आशीष धनगर, अरविंद यादव, अमीर कोषे समेत समस्त बूथ अध्यक्ष, बीएलआ 2 एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लखमा की आंबेडकर अस्पताल में जांच

रायपुर। शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को आंखों के इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल लाया गया। पूर्व विधायक का इलाज सुरक्षित तरीके से कराने के साथ उनकी सुरक्षा के लिए अस्पताल में पुलिस बल का अतिरिक्त इंतजाम भी किया गया था। लगभग 6 घंटे के इलाज के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और कुलदीप जुनेजा ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर बीमारी की गंभीरता का हवाला देकर लखमा को शीघ्र अस्पताल में भर्ती कराने की मांग की थी।

डा. पुनीत गुप्ता अतिरिक्त संचालक के प्रभार से मुक्त

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरु स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डा. पुनीत गुप्ता को चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है डा. गुप्ता को ओएसडी मेडिकल कालेज के साथ अतिरिक्त संचालक की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई थी। राज्य शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग ते अवर सचिव ने उन्हें प्रभार से मुक्त करने के लिए सोमवार को आदेश जारी किया था।

सांसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों का दिखा उत्साह

रायपुर। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को आंजनेय यूनिवर्सिटी परिसर नरदहा में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। महोत्सव के अंतर्गत कुल नौ खेल खेले गए, जिसमें कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम शामिल है। इन सभी खेलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रतिभा, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन किया।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान पर साय ने कहा- नक्सलवाद ले रहा अंतिम सांसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ और सीमावर्ती इलाकों में जारी एंटी नक्सल ऑपरेशन को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, करीब 2 साल होने को आया, हमारे जवान ताकत के साथ नक्सली के खिलाफ लड़ते आ रहे हैं।

- मोदी और शाह का नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प पूरा होगा

अब नक्सलवाद का समापन होने वाला है, वह अपनी अंतिम सांस गिन रहा है। केंद्र में हमारी सरकार है, जिसका लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प अवश्य पूर्ण होगा। संवाददाताओं से चर्चा में मुख्यमंत्री साय ने बिजली बिल हाफ योजना को लेकर कहा, मंगलवार को विधानसभा का पुराने भवन, जो 25 वर्षों तक छत्तीसगढ़ की जनता का आशा और विश्वास का प्रतीक रहा, वहां दिनभर चर्चा हुई। इसी के साथ विधानसभा में एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई। हाफ बिजली बिल जो 100 यूनिट था, उसमें वृद्धि कर 200 यूनिट किया गया है। इसका काफी लोगों को

फायदा मिलेगा और जो बच गए हैं, उनके लिए प्रधानमंत्री सूर्य मुफ्त योजना से लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक किलोवाट में भारत सरकार की ओर से 30 हजार रुपए और राज्य सरकार की तरफ से 15 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। लगभग लागत का तीन चौथाई सब्सिडी के रूप में कंज्यूमर को मिलेगा। एक चौथाई उनको लगाना पड़ेगा और कुछ वर्षों में उनका पूरा लोन समाप्त हो जाएगा, उसके बाद वह मुफ्त में बिजली का इस्तेमाल कर सकेंगे। साथ ही जो बिजली उत्पन्न करेंगे वह बिजली बेच भी पाएंगे।

किसानों के लिए आज सौभाग्य का दिन

धमतरी में किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त अंतरण कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा, आज का दिन हमारे छत्तीसगढ़ सहित देश के किसान भाइयों के लिए सौभाग्य का दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोयंबटूर से देश के 9 करोड़ किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के 18 हजार करोड़ रुपए भेजने वाले हैं। छत्तीसगढ़ के 24 लाख 70 हजार किसानों के खाते में 494 करोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश के सभी किसानों को बधाई दी। साथ ही देश के प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रशासनिक कार्यकुशलता और समय की पाबंदी को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम

मंत्रालय में अनिवार्य होगी आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति, आज से ट्रायल रन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पारदर्शिता, समयपालन और प्रशासनिक कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने महानदी भवन और इन्द्रावती भवन में कार्यरत सभी विभागों में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) लागू करने की घोषणा की है।

वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में बुधवार को मुख्य सचिव विकास शील की उपस्थिति में नए सिस्टम का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिसमें फेसियल ऑथेंटिकेशन आधारित उपस्थिति प्रणाली तथा दीवार पर लगाए गए आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपकरणों का डेमो प्रस्तुत किया गया। प्रणाली का परीक्षण कल से प्रारंभ होगा और 1 दिसंबर से मंत्रालय में एईबीएएस के माध्यम से उपस्थिति अनिवार्य होगी। मुख्य सचिव विकास शील ने निर्देशित किया है कि 1 जनवरी 2026 से यह प्रणाली सभी संचालनालयों/विभागाध्यक्ष कार्यालयों में भी लागू कर दी जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समय पालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को कड़ाई से इसका पालन करना होगा।

कर्मचारियों के लिए उपस्थिति दर्ज करने के तरीके

नए प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रत्येक कर्मचारी को रोजाना दो बार-प्रवेश के समय "इन" और प्रस्थान के समय "आउट"—उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इसके लिए दो विकल्प उपलब्ध किए गए हैं। पहला मोबाइल ऐप के माध्यम से फेसियल ऑथेंटिकेशन, कर्मचारी अपने स्मार्टफोन पर आधार-आधारित फेसियल वेरिफिकेशन के माध्यम से इन/आउट उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। यह प्रणाली सुविधा और बायोमेट्रिक सुरक्षा—दोनों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

दूसरा प्रवेश द्वारों पर लगे आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपकरण

मंत्रालय भवनों के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर दीवार पर लगे थम्ब-बेस्ड आधार-सक्षम बायोमेट्रिक डिवाइसेज स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से कर्मचारी उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। दोनों प्रणालियां समानांतर रूप से संचालित होंगी और कर्मचारी अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी विकल्प का उपयोग कर सकते हैं।

मजबूत होगी प्रशासनिक दक्षता- साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, महानदी और इन्द्रावती भवन के सभी विभागों में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का क्रियान्वयन पारदर्शिता, समयपालन और प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मैं अपेक्षा करता हूं कि हर अधिकारी और कर्मचारी समयपालन और पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करेंगे, ताकि हम आधुनिक, तकनीक-आधारित और जवाबदेह शासन व्यवस्था की ओर निरंतर अग्रसर हो सकें।

सभी प्रवेश द्वार पर उपकरण स्थापित

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी निर्धारित प्रवेश द्वारों पर आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपकरण स्थापित कर दिए हैं और नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण भी पूरा कर लिया है, जिससे व्यवस्थित और निर्बाध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। सभी कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उनके आधार और सेवा संबंधी विवरण उपस्थिति पोर्टल में सही ढंग से अपडेट हों। नई उपस्थिति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही, ढिलाई या अनुपालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा।

एसआईआर के तहत लगभग 27 लाख गणना प्रपत्र का डिजिटलाइजेशन

बीएलओ को घर-घर सर्वेक्षण का आदेश, शिकायत पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्रों के वितरण, संकलन एवं डिजिटलाइजेशन का कार्य तीव्र गति से जारी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवम्बर से प्रारंभ इस अभियान के तहत अब तक प्रदेश के लगभग 99 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं तक गणना प्रपत्रों का वितरण का दावा किया गया है। वहीं जमा करने वालों की संख्या कम है। अब बीएलओ को इन गणना पत्रक भरा कर निर्वाचन कार्यालय को जमा करना है।

राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संकलन की प्रक्रिया लगातार प्रगति पर है। साथ ही संकलित गणना प्रपत्रों के डिजिटलाइजेशन का कार्य भी सतत रूप से जारी है। अब तक 27 लाख गणना प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन कार्य किया जा चुका है। मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा अभियान में विभिन्न नवाचारों को शामिल किया गया है। मतदाता अब चुनाव आयोग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन गणना प्रपत्र भर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल करके आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

घर-घर सर्वे करें बीएलओ शिकायत पर होगी कार्रवाई

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बीएलओ के लिए आदेश जारी करते हुए कहा है कि एसआईआर का कार्य समय पर पूरा करने घर-घर सर्वेक्षण करें। शिकायत प्राप्त होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। गणना पत्रक वितरण का कार्य शीघ्र पूरा करने कहा गया है। हालांकि 99 प्रतिशत वितरण होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन अब तक जमा होने वाले गणना पत्रक की संख्या कम है।

मानिटरिंग करेंगे ये अफसर

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मतदान केंद्र स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके अतिरिक्त, नगर निगम आयुक्त, जिन्हें अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, वे भी डिजिटलाइजेशन कार्य की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

नवंबर में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट का विशेष अभियान, अब पेंशनर किसी भी बैंक में जमा कर सकेंगे डीएलसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नवंबर में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) जमा करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। अब पेंशनरों को जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए अपनी मूल बैंक शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वे किसी भी बैंक में जाकर, या 'जीवन प्रणाम' ऐप या वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं।

यह सुविधा भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय तथा पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के निर्देशों पर छत्तीसगढ़ के सभी पेंशनरों के लिए लागू की गई है।संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि की संचालक पद्मिनी भोई साहू ने सभी बैंकों और जिला कोषालयों को इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बैंक अधिकारियों की बैठक में निर्देशित किया कि पेंशन वितरण तिथि से पहले अधिक से अधिक पेंशनरों के डिजिटल प्रमाणपत्र प्राप्त किए जाएं, ताकि किसी भी पेंशनधारी की पेंशन बाधित न हो। निर्देशों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य बैंक "डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र मिशन 4.0" के तहत विभिन्न शहरों में विशेष कैंप आयोजित कर रहे हैं। इन कैंपों में फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक से पेंशनरों के डीएलसी जनरेट किए जा रहे हैं। इस सुविधा का लाभ उठाते हुए पेंशनरों द्वारा 'जीवन प्रणाम' मोबाइल ऐप या वेबसाइट के माध्यम से अपने आधार नंबर और मोबाइल नंबर का उपयोग कर, घर बैठे भी जीवन प्रमाण पत्र जमा किये जा रहे हैं। अब तक की स्थिति में राज्य में पेंशनरों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत जीवन प्रमाण पत्र बैंकों में जमा हो चुके हैं।

अब हर बैंक अपनी शाखा में डीएलसी जनरेट करने उत्तरदायी

भारत सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक अब हर बैंक अपनी शाखा में आने वाले किसी भी पेंशनर का डीएलसी जनरेट करने के लिए उत्तरदायी होगा, भले ही पेंशनर का खाता किसी भी बैंक में हो। प्रशासन ने सभी पेंशनरों से अपील की है कि वे इस अभियान का लाभ उठाते हुए समय पर अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करें, ताकि उनकी पेंशन नियमित रूप से जारी रह सके।

पीएम आवास योजना में गड़बड़ी का आरोप सड़क की लड़ाई लड़ने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, पूर्व सभापति प्रमोद दुबे ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी गड़बड़ी चल रही है। करीब 800 लोगों को प्रधानमंत्री आवास में मकान बनाने पैसा नहीं मिला है।

1200 हितग्राही ऐसे हैं जिन लोगों को नक्शा मिला है, पर वे आवास बनाना प्रारंभ नहीं कर पा रहे हैं। इससे यह साबित होता है कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार गरीबों का सपना पूरा नहीं कर पा रही है। पत्रकारों से चर्चा में कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आम जनता को उसका अधिकार दिलाने जरूरत पड़ी, तो सड़क की लड़ाई लड़ने से नहीं चूकेगी। निगम के नेता प्रतिपक्ष कक्ष में आयोजित पत्रकार वार्ता में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 1023 हितग्राहियों की सूची केंद्र से स्वीकृत हो गई है, पर राज्य सरकार से अप्रूवल नहीं मिल रहा है। किसी को 5 माह किसी को 6 माह से किस्त की राशि नहीं मिली है। गरीब व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों से उधारी में पैसे लेकर मकान बनाने मजबूर हो रहे हैं। लोग खुद के पुराने मकान को तोड़कर अब किराये के मकान में रहने विवश हो गए हैं। वहीं इस योजना से जुड़े अधिकारी भी भुक्तभोगियों की परेशानी नहीं समझ रहे। आकाश तिवारी ने कहा कि सड्डू के बजरंग पारा, नालापारा कचना, अयोध्यानगर के हितग्राहियों को किस्त देने की जगह केवल आश्वासन मिल रहा है। पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज शर्मा, विकास उपाध्याय, प्रमोद दुबे उपस्थित थे।

एससीआर के लिए 210 अफसर कर्मियों का सेटअप मंजूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्टेट कैपिटल रीजन यानी एससीआर के लिए 210 अफसर कर्मियों का एक नया सेटअप तैयार होगा। खास बात ये है कि इसके लिए वित्त विभाग ने अपनी मंजूरी दे दी है। हालांकि इसके लिए 240 पदों का सेटअप तैयार करके भेजा गया था। छत्तीसगढ़ का एससीआर रायपुर, नवा रायपुर, भिलाई और दुर्ग जिले को मिलाकर बनाया जा रहा है। इस व्यवस्था के संचालन के लिए अधिकारियों कर्मचारियों का एक सेटअप आवश्यक होता है। इस सेटअप में शामिल अफसर कर्मी संचालन करेंगे। बताया गया है कि वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत सेटअप में छह अधिकारियों के पद उच्च वेतनमान वाले हैं, इसके संबंध में मंजूरी राज्य मंत्री परिषद (कैबिनेट) द्वारा दिए जाने का प्रावधान है। बताया गया है कैबिनेट की अगली बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा, मंजूरी के बाद 210 पदों का सेटअप लागू होगा।

अब होगा संचालक मंडल का गठन

एससीआर के लिए संचालक मंडल का गठन किया जाना है। जानकारों के मुताबिक यह राज्य का सबसे बड़ा प्राधिकरण होगा। इस संचालक मंडल की अध्यक्षता मुख्यमंत्री करेंगे। इसके साथ ही सरकार के चार मंत्री और तीन विधायक भी संचालक मंडल में शामिल किए जाएंगे।

न्यायालय विवाह अधिकारी
रायपुर (छ.ग.)
फार्म 'अ'

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री दाउकरण गंगापले पिता श्री दीनदयाल गंगापले निवासी वार्ड 06 गणेश चौक ग्राम परसतराई पोस्ट पोहियाडीह तहसील व जिला धमतरी एवं कु. चाँदनी पटेल पिता श्री डोमन लाल पटेल निवासी नागेश्वर मंदिर के सामने दीपक कॉलोनी न्यू राजेन्द्र नगर अमलीडीह जिला रायपुर ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 07 दिसम्बर, 2025 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नही होगी, तथा यह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 07 नवम्बर, 2025 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित जारी किया गया।

अवधि 30 दिन से कम न हो

मुहर

विवाह अधिकारी
रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर, में स्वतंत्र भवन क्रमांक- 303, श्री रवि कुमार शर्मा पिता श्री राम हरी शर्मा पताः- त्रिमूर्ति नगर, इन्द्राआवास कॉलोनी, नीलकंठेश्वर मंदिर के पास, फाफाडीह रायपुर (छ.ग.) के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। वर्तमान में उक्त अटल आवास भवन क्रमांक- 303 का पूर्ण राशि जमा कर लीजडीड (रजिस्ट्री) निष्पादन की कार्यवाही पूर्ण किया जा चुका है, एवं आधिपत्य की कार्यवाही शेष है। श्री रवि कुमार शर्मा पिता श्री राम हरी शर्मा की मृत्यु दिनांक 17.02.2023 को हो गया है। श्री वैभव कुमार शर्मा पिता श्री रवि कुमार शर्मा के द्वारा अपने पिताजी के मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त स्वतंत्र भवन को श्री वैभव कुमार शर्मा पिता श्री रवि कुमार शर्मा, के नाम पर नामांतरण करने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

पर्स गुमा

मैं नर्मदा प्रसाद तिवारी, राधास्वामी नगर, रायपुर निवासी आप सभी को सूचित करना चाहता हूं कि 19 नवम्बर, 2025 को राधास्वामी से कोटा के बीच कहीं पर मेरा पर्स गिर गया है। पर्स में मेरा आधार कार्ड, SBI ATM, Driving License, CSD Grocery Card, RC रखे हुए थे। यदि किसी को भी यह पर्स और उसमें रखे कार्ड मिलें तो कृपया संपर्क करें:-

पताः B28,
Radhaswami Nager,
Bhatagaon Chowk,
Raipur.
Mobile No.: 9826170227

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3234 दिनांक 26.03.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एल.आई.जी. फ्लैट- 21/004 को **श्रीमती आर साई लक्ष्मी पति श्री आर.एस.पी. राव** के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 22.04.2016 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है। वर्तमान में **श्रीमती आर साई लक्ष्मी पति श्री आर.एस.पी. राव**, निवासीः- फ्लैट क्रमांक-624, 6वां तल, गोल्डन पार्क, वी.आई.पी. रोड़, खम्हारडीह, शंकर नगर, रायपुर, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री **चंपक कुमार भंजाबाबू पिता श्री ध्रुबेन्द्र कुमार भंजाबाबू**, निवासीः-24, कालकापुर रेल्वे स्टेशन के पास, बरीपाड़ा सदर, मयूरभंज (ओडिशा) पिन नं. 757001 को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एल. आई.जी. फ्लैट- 21/004 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

आम सूचना

ग्राम चटौद प.ह.नं. 03. रा.नि.म. चंदखुरी स्थित भूमि के संबंध में।

सर्व साधारण को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता- श्रीमती मंजू शर्मा पति श्री अरुण शर्मा निवासी, महावीर नगर रायपुर छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो ग्राम चटौद प.ह.नं. 03 रा.नि.म. चंदखुरी तहसील मंदिर हसौद आरंग जिला रायपुर में स्थित है जिसका ख.न. 706 रकबा 0.5100 हेक्टेयर है को खरीदने का करार कर विक्रेता को अग्रिम राशि प्रदान किया है। अब तय शर्तों के अनुसार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का निष्पादन / पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उक्त संपत्ति के स्वत्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति, सरकारी व गैर सरकारी संस्था, साहूकार, बैंक, निगम आदि किसी को भी यदि कोई आपत्ति, उजर, दावा आदि हो तो इस सूचना प्रकाशन से 06 दिनों के अदंर मय सुसंगत दस्तावेजो के नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का निष्पादन पंजीयन अपने पक्ष में करवा लेगा। निर्धारित अवधि के पश्चात की गयी आपत्ति शून्य व नाजायज समझी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बधंनकारी नही होगी। अतः सूचना जाने।

रायपुर छ.ग. दिनांक ....

भवदीय
निखलेश राठौर, अधिवक्ता
म.न. डी-40 समता कालोनी
मोबा. न. 98271-75722

आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्री बिश्वजीत दलई, पिता- श्री भरत दलई, निवासी- मकान नं.-41/1208, सांई निवास के पास, श्रीराम चौक, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा विक्रेता-श्री विष्णु प्रसाद साहू, पिता- स्व. भुनेश्वर साहू, निवासी-1000/91, भैरव नगर, गर्वमेंट प्राइमरी विद्यालय के सामने, मठपुरैना, रायपुर (छ.ग.) के हक, आधिपत्य एवं स्वामित्व की आवासीय परिवर्तित भूमिमय मकान, जो कि वाके मौजा ग्राम-मठपुरैना, प.ह.नं.- 61, रा.नि.म.- रायपुर-14, नगर निगम सीमा के भीतर वार्ड क्र.- 52, चन्द्रशेखर आजाद वार्ड, के अंतर्गत स्थित है, जिसका खसरा नं.-201/15 का शमिल खसरा नं.-202/61, का रकबा 1500 वर्गफुट भूमि जिसके भूतल पर 1300 वर्गफुट एवं प्रथम तल पर 1300 वर्गफुट पर कॉलमयुक्त मकान निर्मित है, को क्रय किए जाने हेतु पक्की बातचीत कर, लिखित में इकरारनामा का निष्पादन कर, उक्त सौदे पेटे अग्रिम ब्याना राशि का भुगतान विक्रेता को किया जा चुका है।

अतः एतद द्वारा सर्वसाधारण जनता, व्यक्ति, संस्था, निकाय, निगम सरकारी, गैर सरकारी संस्था, बैंक, वित्तीय संस्थाएँ इत्यादि को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त सौदे में उन्हें कोई उजर आपत्ति या दावा हो तो इस आम सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के भीतर में मेरे निम्न लिखित पते में दस्तावेज सहित आपत्ति दावा प्रस्तुत करें। समयावधि व्यतीत होने के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन अपने पक्ष में करवा लेगें एवं बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति अवैध एवं शून्य मानी जावेगी जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। अतः सूचना जाने।

स्थान रायपुर (छ.ग.) दिनांक - 19.11.2025

भवदीय
मुकेश कुमार साहू, खुमेन्द्र साहू, अजीत सिंह
अधिवक्तागण
मोती नगर बोरिया रोड रायपुर, पो. सुन्दरनगर, रायपुर (छ.ग.)
98271-16487, 93002-96804, 98271-91198

बीएलओ के साथ मतदाताओं के घर पहुंचकर लिया फीडबैक

कलेक्टर फील्ड पर उतरे, धान खरीदी-एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कलेक्टर गौरव सिंह ने बुधवार को फील्ड पर उतरकर रायपुर जिले के उपार्जन केंद्रों में चल रहे समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने कई उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लेते हुए धान का तौल और मॉइश्चर मीटर से नमी की जांच कराई, वहीं गली-मोहल्ले में बीएलओ के साथ मतदाताओं के घर पहुंचकर उनसे फीडबैक लिया।

माना-केंद्री उपार्जन केंद्र में धान खरीदी व्यवस्था को परखा

कलेक्टर फील्ड के दौरान अभनपुर के केंद्री और माना धान उपार्जन केंद्र पहुंचे। इन दोनों केंद्र में उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने यहां धान को तौलाने और नमी मापक यंत्र की जांच की। प्रशासन ने सभी उपार्जन केंद्रों में मेडिकल किट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। कलेक्टर ने इन केंद्रों में मेडिकल किट मंगाकर दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कम्प्यूटर में पंजीकृत रकबा के तहत किसानों का उपार्जन की स्थिति का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने कहा कि यह ध्यान रखें कि किसी भी स्थिति में अवैध धान की खरीदी न हो, इसके लिए अपने क्षेत्र में रकबे का परीक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लें, साथ ही यह भी ध्यान रखें कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

बीएलओ के साथ मतदाताओं के घर पहुंचे कलेक्टर

सीआईआर कार्य का निरीक्षण करने के लिए कलेक्टर खमतराई इलाके में घर-घर घूमे। इस दौरान वे बीएलओ के साथ मतदाताओं से मिले और उन्हें शीघ्र ही गणना पत्रक भरने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा सौंपा गया यह कार्य समय पर पूरा करना है। बीएलओ इसके लिए लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए बीएलओ को आम जनता का जितना अधिक सहयोग मिलेगा, काम उतना ही बेहतर तरीके से संपन्न होगा। कलेक्टर ने कहा कि फार्म में ही बीएलओ का मोबाइल नंबर भी दर्ज किया गया है, किसी तरह की तकनीकी दिक्कत होने पर बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक हेल्पलाइन नंबर भी बनाया गया है, जिसमें भी संपर्क किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

भूमि आवंटन की मांग पर कंसारी समाज सौंपा ज्ञापन

आरंग। कंसारी समाज आरंग के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गुरु खुशवंत साहेब कैबिनेट मंत्री (छत्तीसगढ़ शासन) को समाज हेतु सामुदायिक भवन एवं भूमि आवंटन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने समाज की मांग को यथासंभव शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया, जिससे कंसारी समाज में खुशी का माहौल बना हुआ है। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से मुकेश कंसारी, पवन कंसारी, शम्भू कंसारी, सागर कंसारी, राहुल कंसारी, ललित (लल्ला) कंसारी, रोनू कंसारी एवं कंसारी समाज के समस्त सदस्यगण उपस्थित रहे। कंसारी समाज आरंग ने मंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस ने मंडी और धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

कूंरा। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा संचालित धान खरीदी प्रारंभ हो चुका है। वहीं दूसरी ओर, कर्मचारी संघ के अनिश्चितकालीन धरने के चलते कई धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इसी गंभीर परिस्थिति को देखते हुए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग श्री भावेश बघेल ने बुधवार को क्षेत्र के प्रमुख धान मंडी एवं प्राथमिक कृषि सहकारी समिति केंद्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में नोडल अधिकारी एवं जनपद सीईओ श्री बी.आर. वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने पूरे केंद्र में खरीदी प्रक्रिया, संसाधन उपलब्धता, तौल-कट्टा व्यवस्था, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, टोकन वितरण, ड्रायर और भंडारण क्षमता जैसे सभी बिंदुओं का सूक्ष्म मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान श्री बघेल ने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। कई किसानों ने धरने के कारण कर्मचारियों की कमी, प्रक्रिया में धीमापन और टोकन व्यवस्था की जटिलताओं की जानकारी दी। इन मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए श्री बघेल ने अधिकारियों को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

भूमि विवाद पर हुई मारपीट, जांच जारी

अभनपुर। ग्राम कोलर में कृषि भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट व गाली-गलौज का मामला सामने आया है। दोनों पक्षों द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार खेत के स्वामित्व को लेकर देवव्रत साहू और उनके चाचा ललित साहू के बीच विवाद पूर्व से न्यायालय रायपुर में विचाराधीन है। घटना 29 अक्टूबर की शाम लगभग 7 बजे की बताई गई है। एक पक्ष का आरोप है कि खेत देखने गए देवव्रत साहू को ललित साहू और अन्य लोगों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि देवव्रत पक्ष द्वारा लगाए गए बोर्ड को हटाने की कोशिश की गई, जिस पर विवाद हुआ और धमकी दी गई।

नशामुक्त भारत अभियान पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

कूंरा। थाना टिकरापारा की टीम द्वारा शहीद संजय यादव हायर सेकेंडरी स्कूल, संजय नगर में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक धीरेंद्र बंजारे, सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार शुक्ला, प्रधान आरक्षक दानेश्वर साहू, आरक्षक भारतेंद्र साहू तथा नंदलाल अग्रहरि द्वारा छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को सामूहिक रूप से नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया तथा जागरूक नागरिक बनने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर संस्था की प्राचार्य डॉ शुभा तिवारी, व्याख्यातागण अर्चना मिश्रा अदिति वर्मा निवेदिता हलधर एवं एनसीसी प्रभारी डाली यादव सहित, शिक्षक विनोद यादव और अजरा बेगम सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सरपंचों को 6 माह से नहीं मिली 15वें वित्त आयोग की राशि, विकास कार्य ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

जिले के ग्राम पंचायतों को पिछले छह माह से 15वें वित्त आयोग की स्वीकृत राशि का आबंटन नहीं होने से गांवों में विकास कार्य ठप पड़ गए हैं। पेयजल, स्वच्छता, नाली निर्माण, सड़कों की मरम्मत जैसी बुनियादी सुविधाओं पर सीधा असर पड़ा है। स्थिति यह है कि कई पंचायतों में आवश्यक मरम्मत और जनसेवा से जुड़े कार्य सिर्फ फंड न मिल पाने के कारण अधूरे पड़े हुए हैं। इस गंभीर मुद्दे को जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि

विकास और मरम्मत नहीं होने से गांवों की समस्या बढ़ी

सड़क नाली की समस्या विकराल

ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भी बताया कि फंड न होने के कारण वे हैंडपंप मरम्मत, स्ट्रीट लाइट सुधार, नाली–सफाई और अन्य आवश्यक कार्यों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। कई पंचायतें तो आपात जरूरतों को भी पूरा करने में असमर्थ हैं। वतन चन्द्राकर ने कहा कि 15वें वित्त की राशि ग्रामीण विकास की रीढ़ है। इसके बिना न तो गुणवत्ता युक्त कार्य हो सकते हैं और न ही पंचायतें अपनी नियोजित गतिविधियाँ संचालित कर पा रही हैं। उन्होंने शासन से निवेदन किया है कि प्राथमिकता के आधार पर राशि जारी कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की सुचारू उपलब्धता और पंचायतों की नियमित कार्यप्रणाली के लिए यह मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यदि सरपंचों को समय पर राशि उपलब्ध नहीं कराई जाएगी तो ग्रामीण क्षेत्रों की योजनाएँ कागजों में सीमित रह जाएँगी, जबकि ग्रामीण जनता बुनियादी सुविधाओं के इंतजार में परेशान होती रहेगी। वतन चन्द्राकर ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि 15वें वित्त की लंबित राशि का तत्काल आबंटन कर पंचायतों को उपलब्ध कराया जाए, ताकि गांवों में रुके हुए विकास कार्यों को गति मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फंड जारी नहीं हुआ तो आगामी दिनों में जनसमस्याएँ और बढ़ेंगी, जिसका सीधा प्रभाव ग्रामीण जीवन पर पड़ेगा।

पंद्रहवें वित्त आयोग मद में मच्छर उन्मूलन के लिए निगम को मिले 17 लाख रुपए

मच्छरों के डंक से राहत नहीं, धुंआ छोड़ने वाली 2 बड़ी मशीन खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहरवासियों को मच्छरों के डंक से राहत दिलाने के मामले में नगर निगम प्रशासन फेलवर साबित हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के पास मच्छरों को नियंत्रित करने धुंआ छोड़ने वाली 2 बड़ी फागिंग मशीन है, पर यह मशीन एक अरसे से बंद पड़ी है। वहीं शहरभर में एक साथ मच्छर नियंत्रण के लिए नगर निगम द्वारा पूर्व में चलाया जा रहा पॉयलट प्रोजेक्ट 3 माह में दम तोड़ गया। निगम ने मच्छर उन्मूलन के लिए ऑनलाइन टेंडर कर दुर्ग की एजेंसी को इस कार्य का ठेका दिया था। 3 माह के ट्रायल पीरिएड में अनुबंधित एजेंसी का काम संतोषप्रद नहीं होने पर निगम प्रशासन ने एक बार फिर इस काम को विकेन्द्रित करते हुए जोनवार करने का निर्णय लिया है। दरअसल, ढाई दशक बाद भी राजधानीवासियों को मच्छरों की समस्या से छुटकारा नहीं मिल पाया है। इसके लिए अब तक कोई ठोस प्लान बनाकर कार्य नहीं करने से हर बार की तरह इस बार भी अब मच्छर उन्मूलन का कार्य जोन के माध्यम से कराया जाएगा।

■ एंटी लार्वा छिड़काव और फागिंग के लिए अभियान जल्द

35 छोटी हाथ चलित मशीन खरीदेगा निगम

मच्छर उन्मूलन और फागिंग मशीन खरीदने मिले 17 लाख

पंद्रहवें वित्त आयोग के मिलेनियम प्लस सिटी अंतर्गत नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को 35 छोटी व हाथ चलित मशीन क्रय करने और दवा क्रय करने 17 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं। इस राशि से निगम का स्वास्थ्य विभाग प्रस्ताव बनाकर दस जोन के 70 वार्डो के लिए 35 छोटी हाथ चलित फागिंग मशीन क्रय करेगा। अधिकारियों के मुताबिक जोन स्तर पर वार्डवार पूर्व में ही 2 छोटी मशीन उपलब्ध कराई गई है, पर इनमें से कुछ मशीनें खराब हो गई हैं और कुछ मशीनों की मरम्मत कराने की जरूरत है।

सांकरा में सड़क डिवाइडर की कटिंग में मापदंड की उपेक्षा से दुर्घटानएं बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

रायपुर बिलासपुर हाइवे पर धनेली सांकरा के बीच एक होटल के सामने डिवाइडर की कटिंग कर दी गई है जो आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही है एनएचएआई पी डब्लू डी विभाग की सहमति से ये कटिंग हुई या बिना सहमति के ये स्पष्ट नहीं है लेकिन यह दुर्घटनाओं का कारण बन गई है। बुधवार की सुबह बाइक क्रमांक सीजी 07 एलयू 5631 से जा रहे खोमन वर्मा निवासी सरोरा रायपुर की तरफ जाते समय होटल के सामने डिवाइडर की इसी कटिंग से अचानक टर्निंग करने लगे तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक आरजे 11 जीडी 3637 की चपेट में उनकी बाइक आ गई गनीमत यह रही कि ये उनके पैर पर ही ट्रक का पहिया चढ़ा जिससे उनका पैर टूट गया लेकिन जान किसी तरह बच गई गंभीर अवस्था में उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया गया घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

डिवाइडर की कटिंग पूरी तरह अवैज्ञानिक

रायपुर बिलासपुर हाइवे पर सांकरा सिक्स लाइन के बाद सांकरा से रायपुर की तरफ दो हाइवे जाते हैं एक धनेली रावभाटा होते हुए रायपुर जाता है तो दूसरा ब्रिज चढ़कर सीधे टाटीबंध चौक होते भिलाई ओर रायपुर की ओर जाता है रायपुर से आते समय जो धनेली होकर बिलासपुर की ओर वाहन जाते हैं उन्हें धनराज होटल के आगे से टर्निंग होकर ब्रिज के नीचे से निकलकर बाजू से होते हुए सांकरा से बिलासपुर सिक्स लाइन पकड़ना पड़ता है लेकिन धनराज होटल से लेकर सिक्स लाइन शुरू होने तक का यह मार्ग खतरनाक है दुर्घटना जन्य होने के बाबजूद धनराज होटल के सामने डिवाइडर की कटिंग कर दी गई जिससे अक्सर दुर्घटनाएं होने लगी है पूर्व में दिलबाग के सामने चौक में दुर्घटनाओं के कारण जब से दिलवाग के सामने चौक में डिवाइडर बनाया है तभी से दुर्घटना न के बराबर हैं लेकिन धनराज के सामने कटिंग करने से अब वहां दुर्घटना होने लगीं है हालांकि कुछ ही दूरी पर धनेली चौक में सड़क पार करने कटिंग है जहां दोनों तरफ ब्रेकर होने से घटनाएं नहीं होती ।

नेहरू जंयती पर समोदा स्कूल में लगा आनंद मेला और दिया न्योता भोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

स्वामी आत्मानंद विद्यालय समोदा में बाल दिवस के उपलक्ष में बच्चों के लिए आनंद मेला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्टॉल जैसे गुपचुप, कपकेक, इडली, साबूदाना बड़ा, भेल, मिठाई, पेस्ट्री, अंकुरित चने, मोमोस, चाइनीस पकोड़ा, पान आदि तथा विभिन्न मनोरंजक खेल गतिविधियां आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुराणिक ध्रुवंशी अध्यक्ष शाला विकास व प्रबंधन समिति एवं संस्था प्रमुख आज्ञाराम ठाकुर द्वारा मां सरस्वती एवं प. जवाहर लाल नेहरू के छायाचित्र में पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष द्वारा चाचा नेहरू के बाल प्रेम तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। साथ ही आनंद मेला में स्टॉल लगाकर सर्वाधिक मुनाफा प्राप्त करने तथा शून्य लागत मूल्य से अधिक लाभ प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स सहित नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। साथ ही शाला परिवार की ओर से कक्षा पहली से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को पेन, पेंसिल उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। इस दौरान शाला परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों के लिए आंशिक न्योता भोज का आयोजन किया गया जिसमें सेव, बूंदी, खीर व मिठाई परोसा गया। न्योता भोज और उपहार पाकर बच्चे अत्यंत प्रसन्न दिखाई दिए। आभार व्यक्त खुशबू जलक्षत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के शिक्षकगण टी.एल. वर्मा, आर.आर. डडसेना, एंथ्रेस मिंज, सुधा वर्मा, खुशबू जलक्षत्री, हिमानी निषाद, स्मिता साय, प्रतीक्षा तिवारी, अन्नू लाल निषाद, रूपेंद्र साहू, नम्रता चंद्राकर, सुनीता नायक, श्रुति मेनन, अंकुश मेश्राम, चंद्रावती पटेल, रेवती गायकवाड़, युवराज साहू, रजत पाण्डेय की उपस्थिति रही। विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों ने बड़े ही हर्षोल्लाह के साथ बाल दिवस मनाया।

■ खेल-खेल में पढ़ाई लिखाई की मिली जानकारी

कथावाचक की जमानत पर पुलिस कार्रवाई पर सवाल

सिलयारी। सतनामी समाज रायपुर ग्रामीण के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं जनपद पंचायत धरसीवा के पूर्व अध्यक्ष श्री राजेंद्र पप्पू बंजारे ने सतनामी समाज के ऊपर गलत टिप्पणी करने वाले कथावाचक आशुतोष चैतन्य की जमानत पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि भाजपा राज छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को जिस तरह सत्ता के इशारे पर कमजोर किया जा रहा है, वह अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक है। हम न्यायालय का पूरा सम्मान करते हैं, किंतु यह तथ्य अत्यंत गंभीर है कि एट्रोसिटी एक्ट के मामले में आरोपी आशुतोष चैतन्य के खिलाफ भाजपा राज में एक ही दिन में चालान पेश कर दिया गया और उसी दिन जमानत भी दे दी गई। छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहला मौका है जब एट्रोसिटी के इतने संवेदनशील मामले में पुलिस ने इतनी त्वरित कार्रवाई की। यह त्वरित चालान और तत्काल जमानत साफ-साफ संकेत देता है कि कहीं न कहीं भाजपा सरकार के उच्च स्तर से दबाव में यह सब हो रहा है, जो यह सिद्ध करता है कि भारतीय जनता पार्टी मूलतः अनुसूचित जाति-जनजाति विरोधी मानसिकता वाली सरकार चला रही है।

मानस संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों का रामायण भेंट कर सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

राजा मोरध्वज आध्यात्मिक धार्मिक सामाजिक मानस संगठन आरंग के अध्यक्ष श्रीमान मानस लोधी के 63 वा वर्ष जन्म दिवस 19 नवंबर बुधवार को मानस संगठन आरंग सदस्यों एवं पदाधिकारियों के द्वारा रामायण ग्रंथ भेंट कर सम्मान किया गया। मानस लोधी अपना जन्म दिवस 63 दीपक जलाकर स्वर्गीय माता-पिता को पुष्पांजलि अर्पित कर तथा आशीर्वाद लेकर अपने जीवन तथा परिवार समाज को नया संदेश देकर मनाया। मानस लोधी के मार्गदर्शन में नारायणबन हनुमान मंदिर में सुंदरकांड का पाठ हनुमान चालीसा एवं पीपलेश्वर पंचमुखी महादेव मंदिर में प्रत्येक शनिवार सामूहिक रामायण पाठ, आध्यात्मिक धार्मिक सामाजिक मानस संगठन के द्वारा किया जाता है। मानस संगठन आरंग के

पदाधिकारी गण हीरालाल साहू, अशोक साहू, अवध विश्वकर्मा, ओमकार विश्वकर्मा, संतोष लोधी, प्रेम वर्मा, धनऊ धुरंधर, देवशरण साहू, उपेंद्र साहू, लक्ष्मी नाथ साहू, परमानंद जलक्षत्री, पुरानीक हिरवानी, मनहरण साहू, नारायण पाल, कामता प्रसाद पाल, गैंदलाल साहू, मनहरण वर्मा, धनंजय लोधी, रेखू लोधी, दीप लोधी, मदनमोहन सोनकर, सीताराम यादव, मोहन गुप्ता, गेंदलाल धीवर, निकेश निषाद, जितेन्द्र लोधी, भुवन साहू, तीरथ राम साहू, विष्णु प्रसाद साहू, शत्रुघ्न लोधी, विनोद गुप्ता, टोकेश साहू अध्यक्ष मानस लोधी के निवास में मानस संगठन के पदाधिकारी सदस्य गण सामूहिक रामचरित मानस के पंचम सोपान सुंदरकांड पाठ कर उनके उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना किया गया।

धान खरीदी में जोन कमिश्नरों की ड्यूटी, सफाई, राजस्व विकास कार्य होंगे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सहकारी समिति के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण प्रदेश में जहां धान खरीदी, टोकन, किसानों के पंजीयन का कार्य प्रभावित हुआ है, वहीं रायपुर जिले के धान खरीदी केंद्रों में सहकारी समितियों की हड़ताल के कारण वहां की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार ने नगर निगम के जोन कमिश्नरों को सौंप दी है। इससे वार्डो की सफाई, राजस्व एवं अन्य विकास कार्यों की जिम्मेदारी छोड़कर 10 जोन के कमिश्नर धान खरीदी केंद्रों में नोडल और सहायक नोडल अधिकारी बतौर डयूटी दे रहे हैं। यही नहीं, रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पांडे को भी धरमपुरा उपार्जन केंद्र की जिम्मेदारी दी गई है। जिला कलेक्टर के इस अजब-गजब आदेश को लेकर निगम के अधिकारी भौंचक हैं।

धान खरीदी व्यवस्था में किसानों को टोकन जारी करने और खरीदी की सूची बनाने का जिम्मा पहली बार नगर निगम के जोन कमिश्नरों को दिया गया है।

जोन कमिश्नरों को इन उपार्जन केंद्रों के लिए दी गई जिम्मेदारी

धरमपुरा - विनोद पांडे, अपर आयुक्त नगर निगम

टाटीबंध - जोन 1 कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी

सिलयारी - जोन 2 कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे

गिरौद - जोन 3 कमिश्नर प्रीति सिंह

कचना - जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक

ऑडिट करने वाली एजेंसी आठ माह बाद भी तय नहीं, निजी अस्पतालों में थम नहीं रही आयुष्मान की गड़बड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत आने वाले निजी अस्पतालों का ऑडिट करने वाली एजेंसी तय करने में स्वास्थ्य विभाग को आठ महीने बाद भी सफलता नहीं मिल पाई है। इसकी वजह से अस्पतालों में होने वाली गड़बड़ी थमने का नाम नहीं ले रही है। अभी जिला स्तर पर बनाई जाने वाली टीम जांच कर रही है, जहां प्रशिक्षित स्टाफ की कमी है। पिछली कंपनी का काम फरवरी में समाप्त हो चुका है और अब तक इस मामले में टेंडर का प्रोसेस ही नहीं हुआ है।

पिछले दिनों रायपुर, धमतरी और महासमुंद जिले में आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 13 अस्पतालों के खिलाफ अलग-अलग अवधि में निलंबन की कार्रवाई की गई है। इसके बाद एक बार फिर योजना में अस्पतालों के क्रियाकलाप पर नजर रखने वाली ऑडिट एजेंसी की अनुपस्थिति पर चर्चा होने लगी है। निजी अस्पताल से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि पूर्व में तय की जाने वाली ऑडिट

टीपीए एजेंसी कमियों के बारे में जानकारी देकर उन्हें सुधार का मौका देती थी। ऑडिट कंपनी में डाक्टरों की टीम करती थी, जो योजना से भली-भांति परिचित होती थी। उस दौरान अस्पतालों में गड़बड़ी और उनके खिलाफ कार्रवाई के मामले भी कम होते थे।

अभी जिला स्तर पर सीएमएचओ के अंडर काम करने वाली टीम शिकायतों के आधार पर जांच कर अस्पतालों से स्पष्टीकरण मांग रही है और जवाब संतोषपूर्ण नहीं होने का हवाला देकर उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उनकी कार्रवाई को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व में ऑडिट का काम करने वाली टीपीए कंपनी का काम फरवरी में खत्म हो चुका है। इस काम के लिए नई एजेंसी तय करने विभागीय स्तर पर कोई प्रयास शुरू नहीं किया गया है।

पोरवाल किचन को निगम ने किया सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम जोन 3 क्षेत्र स्थित काली माता वार्ड के अनुपम नगर में पोरवाल किचन को नगर निगम ने सील कर दिया है। बिना किसी वैध दस्तावेज के व्यावसायिक उपयोग किए जाने की शिकायत सही पाए जाने पर जोन 3 कमिश्नरी ने सीलबंदी की कार्रवाई की है। नगर निगम जोन 3 अमले को यह शिकायत मिली कि अनुपम नगर में पोरवाल किचन द्वारा बिना किसी वैध दस्तावेज के व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। जन शिकायत की वस्तुस्थिति जानने जोन कमिश्नर

प्रीति सिंह के निर्देश पर कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता नरेश साहू ने स्थल का औचक निरीक्षण किया। जन शिकायत सही पाए जाने पर पोरवाल किचन को नियम अनुसार सील किया गया।

पेज 09 के शेष...

सर्दी-जुकाम लेकर आई कड़ाके की ठंड...

का समाधान हो जा रहा है। जिन्हें समस्या ज्यादा है, उन्हें भर्ती कर इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। ठंड के इस मौसम में छोटे बच्चों को भी सर्दी-जुकाम के साथ ब्रोंकियोलाइटिस का जोखिम बढ़ गया है। आंबेडकर के साथ जिला अस्पताल के शिशु रोग विभाग में बच्चों की इस तरह की समस्या लेकर बच्चे पहुंच रहे हैं। प्रारंभिक शिकायत होने पर ऐसे बच्चों की समस्या दवा के साथ सावधानी बरतने की सलाह से ठीक की जा रही है। वहीं शिकायत होने पर कुछ बच्चों को भर्ती कर उपचार की सुविधा दी जा रही है। सरकारी के साथ निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में भी हर आयु वर्ग के मरीज इलाज के लिए दवा लेने पहुंच रहे हैं।

राज्य के न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की वृद्धि...

औसत तापमान में एक डिग्री की वृद्धि हुई है। सोम-मंगलवार की दरम्यानी रात अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री था, वहीं रायपुर का पारा 13.2 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मंगल-बुध की दरम्यानी रात यह क्रमशः 8.0 और 14 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में इसमें 3 से 5 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। बुधवार को शहर में दिन को थोड़ी गर्मी का अहसास हुआ, मगर तापमान में विशेष तरह का परिवर्तन नहीं हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि अब राज्य में ठंड नवंबर के अंतिम सप्ताह में ही पड़ सकती है।

पाइप लाइन लीकेज, मरम्मत के...

के बाद नगर निगम का जल विभाग 21 नवंबर को राइजिंग पाइप लाइन की मरम्मत कराने जा रहा है। फिल्टर प्लांट के प्रभारी अधिकारी नरसिंग फरेंद्र ने बताया कि 150 एमएलडी प्लांट के रॉ वाटर 1400 एमएम व्यास की एचएस राइजिंग पाइप लाइन की भाठागांव मुख्य मार्ग में गणेश ट्रेडर्स के पास लीकेज मरम्मत कराया जाएगा। इस कार्य के लिए 21 नवंबर को 8 घंटे का शटडाउन लिया जाना है। मरम्मत कार्य के कारण 32 पानी टंकियों से शाम के समय जल आपूर्ति नहीं होगी।

अब हर जोन में 3 सदस्यीय दल का रोस्टर, रोड स्वीपिंग मशीन की होगी मानिटरिंग

निगम आयुक्त ने दिए निर्देश, सफाई को लेकर कार्य योजना बनाने दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ जोन स्वास्थ्य अधिकारियों से सीधा संवाद, समस्याएं सुनी, सुझाव भी लिए

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को 2 दिनों में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था की नियमित रूप से मानिटरिंग करने के लिए प्रत्येक जोन में 3 सदस्यीय दल का रोस्टर बनाने के लिए हिदायत दी। रात्रिकालीन सफाई के कार्य में लगाए गए 7 मेकैनाइज्ड स्वीपिंग के वाहनों की निगरानी पर उन्होंने जोर दिया है। आयुक्त ने शहर की सफाई को लेकर विस्तृत कार्य योजना बनाने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

बुधवार को महात्मा गांधी सदन के सभाकक्ष में जोन स्वास्थ्य अधिकारी और शहर के सभी शौचालयों के केयर टेकर्स की क्षमता संवर्धन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर निगम आयुक्त विश्वदीप ने दस जोन के स्वास्थ्य अधिकारियों से संवाद कर सफाई व्यवस्था के दौरान आ रही समस्याओं की जानकारी ली।

उन्होंने सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने जोन स्वास्थ्य अधिकारियों से सुझाव लिए। निगम आयुक्त ने जोन स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि समस्याओं के संबंध में प्रतिवेदन बनाकर मुख्यालय भेजें।

केकक

शहर में गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई करने, आर्थिक दंड लगाने और जरूरत पड़ने पर सीलबंदी करने की हिदायत भी दी। इसके साथ ही कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस बल की सहायता लेने के निर्देश दिए हैं। निगम आयुक्त ने दो टूक शब्दों में कहा, स्वच्छता को लेकर जो शिकायतें प्राप्त होंगी, उसके लिए सीधे तौर पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी उत्तरदायी होंगे। सफाई व्यवस्था के संबंध में रोज सुबह इसकी रिपोर्ट आयुक्त कार्यालय को प्रस्तुत करनी होगी।

ये रहे उपस्थित

निगम आयुक्त ने कहा कि रहवासियों, रेहड़ी वालों, व्यापारियों व अन्य संस्थाओं और संगठनों से बैठक कर पहले समझाइश दें, उसके बाद भी व्यवस्था सुधार न होने पर सख्ती से कार्रवाई करें। कार्यशाला में अपर आयुक्त विनोद पांडे, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, स्वच्छ भारत मिशन के सहायक नोडल अधिकारी योगेश कडु तथा उप अभियंता कृष्णा राठी उपस्थित रहीं।

टेट के ई-सर्टिफिकेट जारी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा के ई-सर्टिफिकेट जारी कर दिए गए हैं। उच्च शिक्षा संचालनलाय के प्रस्ताव पर व्यापम ने यह पात्रता परीक्षा 2024 में 21 जुलाई को आयोजित की थी। दावा आपत्तियों के निराकरण के बाद 3 जून 2025 को अंतिम उत्तर तथा परीक्षा परिणाम जारी किए गए थे। इसके पांच माह बाद व्यापम ने ई-सर्टिफिकेट भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। अभ्यर्थी अपनी आईडी के माध्यम से लॉग-इन कर इसे डाउनलोड कर प्रिंटआउट निकाल सकते हैं।

निधन

गीता देवी जालान

रायपुर। सफायर ग्रीन प्लाट नंबर 38 निवासी गीता देवी जालान का 18 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 नवंबर को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे संजय जालान की माता थीं।

प्रवीणाबेन दोषी

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर निवासी प्रवीणाबेन दोषी (70) का 17 नवंबर को इन्दौर में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार इंदौर में किया गया। वे रितेश, हेतल, दर्शना की माता एवं वीरेश, राजेश, दीपक, आशीत की चाची थीं।

रंभा सेन

रायपुर। आारंग क्षेत्र के ग्राम भानसोज निवासी रंभा सेन (70) का 18 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम में किया गया। वे घनश्याम सेन और राधेश्याम सेन की माता थीं।

हेमलता ठोकने

रायपुर। न्यू चंगोराभाठा निवासी हेमलता ठोकने (71) का 19 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 20 नवंबर को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे रामेश्वर राव ठोकने की पत्नी और समीर ठोकने, भावना माहणिक, रानी शिंदे की माता थीं।

पंद्रहवें वित्त आयोग मद में मच्छर उन्मूलन के लिए निगम को मिले 17 लाख रुपए

मच्छरों के डंक से राहत नहीं, धुंआ छोड़ने वाली 2 बड़ी मशीन खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ एंटी लार्वा छिड़काव और फागिंग के लिए अभियान जल्द

शहरवासियों को मच्छरों के डंक से राहत दिलाने के मामले में नगर निगम प्रशासन फेलवर साबित हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के पास मच्छरों को नियंत्रित करने धुंआ छोड़ने वाली 2 बड़ी फागिंग मशीन है, पर यह मशीन एक अरसे से बंद पड़ी है। वहीं शहरभर में एक साथ मच्छर नियंत्रण के लिए नगर निगम द्वारा पूर्व में चलाया जा रहा पॉयलट प्रोजेक्ट 3 माह में दम तोड़ गया। निगम ने मच्छर उन्मूलन के लिए ऑनलाइन टेंडर कर दुर्ग की एजेंसी को इस कार्य का ठेका दिया था। 3 माह के ट्रायल पीरिएड में अनुबंधित एजेंसी का काम संतोषप्रद नहीं होने पर निगम प्रशासन ने एक बार फिर इस काम को विकेन्द्रित करते हुए जोनवार करने का निर्णय लिया है। दरअसल, ढाई दशक बाद भी राजधानीवासियों को मच्छरों की समस्या से छुटकारा नहीं मिल पाया है। इसके लिए अब तक कोई ठोस प्लान बनाकर कार्य नहीं करने से हर बार की तरह इस बार भी अब मच्छर उन्मूलन का कार्य जोन के माध्यम से कराया जाएगा।

बजट में 2 करोड़ का प्रावधान, खर्च 50 लाख रुपए : नगर निगम के बजट में स्वास्थ्य विभाग के लिए मच्छर उन्मूलन कार्य के लिए 2 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है, जिसमें बमुश्किल 50 लाख रुपए ही एंटी लार्वा अभियान और दवा खरीदने में खर्च हो पाता है। शहर की खुली नालियों को कवर्ड करने की योजना पर भी अब तक आधा-अधूरा काम हो पाया है। यही वजह है, खुली नालियों में लोग कचरा डालने से बाज नहीं आते। वहीं नालियों की नियमित सफाई नहीं होने और गंदे पानी का जमाव होने से मच्छर पनपते हैं। इससे मच्छर जनित रोग मलेरिया और डेंगू फैलने का खतरा बना रहता है। हालत ये है कि नगर निगम प्रशासन मच्छरों से निपटने अब तक कोई कारगर कदम नहीं उठा पाया है। ऐसे में शहरवासियों को अपनी सेहत की चिंता सताने लगी है। गरीबों की झुग्गी बस्ती से लेकर शहर के अंदरूनी व आउटर में स्थित रिहाइशी कालोनी से लेकर वीआईपी इलाके तक मच्छरों की समस्या से लोग उबर नहीं पाए।

35 छोटी हाथ चलित मशीन खरीदेगा निगम

मच्छर उन्मूलन और फागिंग मशीन खरीदने मिले 17 लाख

पंद्रहवें वित्त आयोग के मिलेनियम प्लस सिटी अंतर्गत नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को 35 छोटी व हाथ चलित मशीन क्रय करने और दवा क्रय करने 17 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं। इस राशि से निगम का स्वास्थ्य विभाग प्रस्ताव बनाकर दस जोन के 70 वार्डो के लिए 35 छोटी हाथ चलित फागिंग मशीन क्रय करेगा। अधिकारियों के मुताबिक जोन स्तर पर वार्डवार पूर्व में ही 2 छोटी मशीन उपलब्ध कराई गई है, पर इनमें से कुछ मशीनें खराब हो गई हैं और कुछ मशीनों की मरम्मत कराने की जरूरत है।

2 बड़ी फागिंग मशीन, एक सालों से बंद, दूसरी मशीन भी बिगड़ी

नगर निगम के पास 2 बड़ी फागिंग मशीन उपलब्ध है। इनमें से 1 मशीन एक अरसे से बंद पड़ी है। इसकी मरम्मत में खर्च ज्यादा होने और ईंधन की खपत ज्यादा लगने से यह मशीन बंद पड़ी है। दूसरी बड़ी फागिंग मशीन जिसका उपयोग समय-समय पर विभिन्न सरकारी आयोजन, वीआईपी इलाकों में होता रहा, वह मशीन बिगड़ी पड़ी है। इसे नगर निगम सुधरवा नहीं रहा है।

35 छोटी मशीन क्रय करने टेंडर जल्द

पंद्रहवें वित्त आयोग मद से छोटी फागिंग मशीन क्रय करने राशि प्राप्त हुई है। 35 हाथ चलित मशीन क्रय करने और दवा क्रय करने जल्द टेंडर किया जाएगा। शहर में मच्छर उन्मूलन का कार्य जोन स्तर पर किया जाना है, इसके लिए सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारी को रूट चार्ट बनाकर कार्य करने निर्देशित किया गया है।

- डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम, रायपुर

धान खरीदी में जोन कमिश्नरों की ड्यूटी, सफाई, राजस्व विकास कार्य होंगे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ जिला कलेक्टर का अजब-गजब आदेश

■ कंप्यूटर आपरेटर और कहीं-कहीं इंजीनियर भी कर रहे ड्यूटी

सहकारी समिति के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण प्रदेश में जहां धान खरीदी, टोकन, किसानों के पंजीयन का कार्य प्रभावित हुआ है, वहीं रायपुर जिले के धान खरीदी केंद्रों में सहकारी समितियों की हड़ताल के कारण वहां की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार ने नगर निगम के जोन कमिश्नरों को सौंप दी है। इससे वार्डो की सफाई, राजस्व एवं अन्य विकास कार्यों की जिम्मेदारी छोड़कर 10 जोन के कमिश्नर धान खरीदी केंद्रों में नोडल और सहायक नोडल अधिकारी बतौर डयूटी दे रहे हैं। यही नहीं, रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पांडे को भी धरमपुरा उपार्जन केंद्र की जिम्मेदारी दी गई है। जिला कलेक्टर के इस अजब-गजब आदेश को लेकर निगम के अधिकारी भौंचक हैं।

धान खरीदी व्यवस्था में किसानों को टोकन जारी करने और खरीदी की सूची बनाने का जिम्मा पहली बार नगर निगम के जोन कमिश्नरों को दिया गया है। यही नहीं, एडिशनल कमिश्नर के साथ निगम से एक-एक कंप्यूटर आपरेटर्स की भी ड्यूटी इन उपार्जन केंद्रों में लगाई गई है। कहीं-कहीं इस काम में जोन कमिश्नर अपने इंजीनियर्स की भी मदद ले रहे हैं।

जोन कमिश्नरों को इन उपार्जन केंद्रों के लिए दी गई जिम्मेदारी

धरमपुरा - विनोद पांडे, अपर आयुक्त नगर निगम

टाटीबंध - जोन 1 कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी

सिलयारी - जोन 2 कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे

गिरौद - जोन 3 कमिश्नर प्रीति सिंह

कचना - जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक

बोरियाखुर्द दतरेंगा - जोन 6 कमिश्नर हितेंद्र यादव

भाठागांव - जोन 7 कमिश्नर राकेश शर्मा

बोरियाकला - जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल

माना - जोन 9 कमिश्नर अ'शुल शर्मा सीनियर

सेजबहार- जोन 10 कमिश्नर

बिजनेस साइट सिटी

हेल्थ केयर एंड पाइल्स सेंटर का विशेष स्वास्थ्य शिविर आज

रायपुर। विश्व पाइल्स डे के अवसर पर आज हेल्थ केयर एंड पाइल्स सेंटर द्वारा शहर में जागरूकता बढ़ाने और मरीजों को राहत प्रदान करने के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सेंटर के दोनों स्थानों - पंडरी (झंडा चौक, राजातालाब सब्जी मार्केट के पास) और बैरन बाजार (बालगोपाल हॉस्पिटल के सामने) पर एक साथ आयोजित होगा। शिविर में मलद्वार संबंधी सभी बीमारियों की जांच पूरी तरह निशुल्क की जाएगी। जांच के बाद यदि ऑपरेशन की आवश्यकता पाई जाती है, तो मरीजों को 50% तक की विशेष छूट दी जाएगी। साथ ही आवश्यकतानुसार आयुर्वेदिक औषधियां भी निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। डॉ. एस. ए. वाहिद और डॉ. नेहा के मार्गदर्शन में आधुनिक लेज़र तकनीक, एंडोस्कोपिक जांच और दर्द-रहित उपचार की सुविधा शिविर में रहेगी। सेंटर अब तक 5000 से अधिक सफल सर्जरियों का अनुभव रखता है, जो मरीजों के विश्वास को मजबूत करता है।

केनरा बैंक ने संस्थापक जयंती पर वृद्धजनों को वितरित की खाद्य सामग्री

रायपुर। केनरा बैंक के संस्थापक अम्मेबाल सुब्बाराव पै की 173वीं जयंती के अवसर पर बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। बढ़ते कदम आनंद आश्रम, लाभांडी में आयोजित इस कार्यक्रम में आश्रम के वृद्धजनों को किराना सामग्री, फल और मिठाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक एस. के. शुक्ला, मंडल प्रबंधक राहुल वर्मा तथा प्रेम किशोर गुप्ता उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि केनरा बैंक समय-समय पर सामाजिक उत्थान हेतु विभिन्न सेवा कार्य करता रहा है और आगे भी ऐसी पहलें निरंतर जारी रहेंगी। वितरण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्राहक-बंधुओं ने बैंक की इस जनसेवा पहल की सराहना की। कार्यक्रम का धन्यवाद-समापन बैंक के प्रबंधक मनोज कुमार बरनवाल द्वारा किया गया।

डॉ. सुनील कालड़ा ने दो जटिल मामलों का किया सफलतापूर्वक इलाज

रायपुर। पचपेढ़ी नाका स्थित कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर के संचालक डॉ सुनील कालड़ा ने हाल ही में दो अत्यंत जटिल मामलों का सफल उपचार किया। पहला मामला 31 वर्षीय युवक का है, जो फैक्ट्री में काम करते समय शॉर्ट सर्किट की चपेट में आकर 65–75% तक गंभीर रूप से झुलस गया था। मरीज की स्थिति नाजुक थी और उन्हें सुपर बर्न आईसीयू में एनआईवी वेंटिलेशन, ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक, विशेष बर्न ड्रेसिंग, डीब्राइडमेंट, स्किन डोनेशन तथा आर्टिफिशियल स्किन ग्राफ्टिंग जैसी उन्नत तकनीकों द्वारा इलाज दिया गया। लगभग डेढ़ महीने के इलाज के बाद मरीज अब पूरी तरह स्थिर है और स्वयं अपना काम करने में सक्षम है। दूसरा मामला उमरिया (मध्यप्रदेश) की नेहा राय दास का है, जो स्टोव भभकने से गंभीर रूप से जल गई थी। आग से चेहरे, बाल और कपड़े जलने के साथ हाथ-पैर टेढ़े हो गए थे और गर्दन व कंधा चिपक गए थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद, अस्पताल द्वारा उनका पूरा उपचार और सभी ऑपरेशन निशुल्क किए गए। आज नेहा पहले से काफी बेहतर है।

पोरवाल किचन को निगम ने किया सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 3 क्षेत्र स्थित काली माता वार्ड के अनुपम नगर में पोरवाल किचन को नगर निगम ने सील कर दिया है। बिना किसी वैध दस्तावेज के व्यावसायिक उपयोग किए जाने की शिकायत सही पाए जाने पर जोन 3 कमिश्नरी ने सीलबंदी की कार्रवाई की है। नगर निगम जोन 3 अमले को यह शिकायत मिली कि अनुपम नगर में पोरवाल किचन द्वारा बिना किसी वैध दस्तावेज के व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। जन शिकायत की वस्तुस्थिति जानने जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के निर्देश पर कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता नरेश साहू ने स्थल का औचक निरीक्षण किया। जन शिकायत सही पाए जाने पर पोरवाल किचन को नियम अनुसार सील किया गया।

ऑडिट करने वाली एजेंसी आठ माह बाद भी तय नहीं निजी अस्पतालों में थम नहीं रही आयुष्मान की गड़बड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ जिला स्तर पर होने वाली जांच के लिए प्रशिक्षित स्टॉफ नहीं, उठते रहे हैं सवाल

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत आने वाले निजी अस्पतालों का ऑडिट करने वाली एजेंसी तय करने में स्वास्थ्य विभाग को आठ महीने बाद भी सफलता नहीं मिल पाई है। इसकी वजह से अस्पतालों में होने वाली गड़बड़ी थमने का नाम नहीं ले रही है। अभी जिला स्तर पर बनाई जाने वाली टीम जांच कर रही है, जहां प्रशिक्षित स्टाफ की कमी है। पिछली कंपनी का काम फरवरी में समाप्त हो चुका है और अब तक इस मामले में टेंडर का प्रोसेस ही नहीं हुआ है।

पिछले दिनों रायपुर, धमतरी और महासमुंद जिले में आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 13 अस्पतालों के खिलाफ अलग-अलग अवधि में निलंबन की कार्रवाई की गई है। इसके बाद एक बार फिर योजना में अस्पतालों के क्रियाकलाप पर नजर रखने वाली ऑडिट एजेंसी की अनुपस्थिति पर चर्चा होने लगी है। निजी अस्पताल से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि पूर्व में तय की जाने वाली ऑडिट टीपीए एजेंसी कमियों के बारे में जानकारी देकर उन्हें सुधार का मौका देती थी। ऑडिट कंपनी में डाक्टरों की टीम करती थी, जो योजना से भली-भांति परिचित होती थी। उस दौरान अस्पतालों में गड़बड़ी और उनके खिलाफ कार्रवाई के मामले भी कम होते थे।

दूसरे राज्य के मरीज भी

शहर के बड़े अस्पतालों में छत्तीसगढ़ के अलावा दूसरे राज्यों से भी आकर मरीज स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत इलाज करवाते हैं। खासकर ओडिशा और मध्यप्रदेश के मरीजों का स्वास्थ्य लाभ के लिए छत्तीसगढ़ आना लगा रहता था। हालांकि ओडिशा में संचालित बीजू कार्ड के बंद होने के बाद इनकी संख्या में काफी कमी आई है।

90 फीसदी अस्पताल शामिल

राज्य में संचालित तमाम शासकीय अस्पतालो के साथ छोटे-बड़े निजी अस्पताल शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के हितग्राहियों के इलाज के लिए पंजीकृत है। आए दिन होने वाली विवाद की स्थिति बचने के लिए कुछ बड़े अस्पतालों ने खुद को इससे दूर रखा है। दूसरी ओर कई अस्पताल इस सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन ओके होने का इंतजार कर रहे हैं। राज्य में 90 फीसदी अस्पताल इस योजना के लिए पंजीकृत हैं।

घरेलू बिजली बिल की दर में राहत देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ नया स्मार्ट मीटर भी तेज गति से चल रहा है जिससे बिजली बिल आ रहा है ज्यादा

छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद ने मुख्यमंत्री द्वारा 200 यूनिट तक घरेलू बिजली बिल की दर को आधा करने को अपर्याप्त बताते हुए इसे पूर्ववर्ती सरकार की तरह करने की मांग की है। परिषद के महामंत्री रामअवतार देवांगन और प्रवक्ता नितिन कुमार झा ने कहा कि, विद्युत दरों में हुई बढ़ोतरी एवं 400 यूनिट तक हाफ बिल योजना बंद होने से प्रदेश की जनता का घरेलू बजट बिगड़ गया है। नया स्मार्ट मीटर भी तेज गति से चल रहा है जिससे बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद की बैठक में जनता को हो रही परेशानी पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष एवं विद्युत नियामक आयोग के प्रबंधक को ज्ञापन देने एवं आंदोलन करने का निर्णय लिया था। परिषद के आंदोलन की तैयारी से घबरा कर ही सरकार ने जनता को अल्प राहत की घोषणा की है जो अपर्याप्त है। सरकार को पूर्व की भांति बिजली दर निर्धारित कर जनता को राहत देना चाहिए अन्यथा परिषद जनहित में अपना विरोध प्रदर्शन करते रहेगी। मांग करने वालों में प्रमोद तिवारी, बीरेश शुक्ला, अधिवक्ता द्वय मनोज ठाकुर, संजय मिश्रा, विकास गुप्ता, शिरीष अवस्थी, सुनील बाजारी आदि शामिल थे।

रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं 28 से

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी घोषित कर दी गई है। रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं 28 नवंबर से होगी। इसके पूर्व महाविद्यालयों को प्रायोगिक परीक्षाएं व प्रायोजना कार्य भी संपन्न कराने होगे। विद्यार्थियों से सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन पहले ही भरवाए जा चुके हैं। महाविद्यालयों को समय-सारिणी प्रेषित करने के साथ इसे विवि की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिए गए हैं।

पेज 09 के शेष ...

सर्दी-जुकाम लेकर आई ...

का समाधान हो जा रहा है। जिन्हें समस्या ज्यादा है, उन्हें भर्ती कर इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। ठंड के इस मौसम में छोटे बच्चों को भी सर्दी-जुकाम के साथ ब्रोंकियोलाइटिस का जोखिम बढ़ गया है। आंबेडकर के साथ जिला अस्पताल के शिशु रोग विभाग में बच्चों की इस तरह की समस्या लेकर बच्चे पहुंच रहे हैं। प्रारंभिक शिकायत होने पर ऐसे बच्चों की समस्या दवा के साथ सावधानी बरतने की सलाह से ठीक की जा रही है। वहीं शिकायत होने पर कुछ बच्चों को भर्ती कर उपचार की सुविधा दी जा रही है। सरकारी के साथ निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में भी हर आयु वर्ग के मरीज इलाज के लिए दवा लेने पहुंच रहे हैं।

राज्य के न्यूनतम तापमान ...

औसत तापमान में एक डिग्री की वृद्धि हुई है। सोम-मंगलवार की दरम्यानी रात अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री था, वहीं रायपुर का पारा 13.2 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मंगल-बुध की दरम्यानी रात यह क्रमशः 8.0 और 14 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में इसमें 3 से 5 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। बुधवार को शहर में दिन को थोड़ी गर्मी का अहसास हुआ, मगर तापमान में विशेष तरह का परिवर्तन नहीं हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि अब राज्य में ठंड नवंबर के अंतिम सप्ताह में ही पड़ सकती है।

पाइप लाइन लीकेज...

के बाद नगर निगम का जल विभाग 21 नवंबर को राइजिंग पाइप लाइन की मरम्मत कराने जा रहा है। फिल्टर प्लांट के प्रभारी अधिकारी नरसिंग फरेंद्र ने बताया कि 150 एमएलडी प्लांट के रॉ वाटर 1400 एमएम व्यास की एचएस राइजिंग पाइप लाइन की भाठागांव मुख्य मार्ग में गणेश ट्रेडर्स के पास लीकेज मरम्मत कराया जाएगा। इस कार्य के लिए 21 नवंबर को 8 घंटे का शटडाउन लिया जाना है। मरम्मत कार्य के कारण 32 पानी टंकियों से शाम के समय जल आपूर्ति नहीं होगी।

खबर संक्षेप

एस्मा का दुरुपयोग कर एफआईआर का विरोध, सीआईडीए ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ इन सर्विस डाक्टर्स एसोसिएशन (सीआईडीए) ने सहकारी बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान कृषि अधिकारियों पर अतिरिक्त दायित्व सौंपे जाने तथा एस्मा का दुरुपयोग कर की जा रही एफआईआर का कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. इकबाल हुसैन ने प्रदेश के मुख्य सचिव को इस कार्रवाई का विरोध करने के साथ पांच सूत्रीय मांग को लेकर पत्र लिखा है। डा. इकबाल ने इस इस पत्र के माध्यम से एस्मा के तहत अधिकारियों पर कराई गई एफआईआर को निरस्त करने, गिरफ्तार अधिकारियों को ससम्मान रिहा करने, इस तरह का आदेश जारी करने वाले अधिकारियों पर विभागीय जांच कराने, भविष्य में किसी भी संवर्ग पर तकनीकी क्षमता से असंबंधित कार्य थोपने की प्रथा समाप्त करने तथा कृषि अधिकारियों और अन्य तकनीकी कैडर के कार्य विभाजन, अधिकार एवं जिम्मेदारियों को लेकर स्पष्ट आदेश जारी किए जाने की मांग की है।

शासन से हस्तक्षेप करने की मांग : इस मांग पत्र के माध्यम से सीआईडीए ने शासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर इस संवेदनशील प्रकरण को न्यायपूर्ण तरीके से सुलझाए हुए शासन और कर्मचारियों के बीच बिड़ते रिश्ते को रोकने की मांग की है।

मरीजों के लिए उपलब्ध नहीं हैं चिकित्सक

रायपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में दौरा कर स्वास्थ्य सेवाएं की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस कड़ी में टीम ने बिरगांव में दौरा किया। रायपुर जिलाध्यक्ष नवनीत नंदे, संगठन मंत्री सागर क्षीर सागर, सुरेंद्र बिसेन और महासचिव नरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा, बिरगांव इलाके में स्वास्थ्य व्यवस्था बदतर है। निरीक्षण के समय उप स्वास्थ्य केंद्र में एक भी डॉक्टर या स्टाफ केंद्र में उपस्थित नहीं था। मरीजों के लिए कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। केंद्र पूरी तरह से बंद और असुविधाजनक स्थिति में मिला। आम आदमी पार्टी ने व्यवस्था सुधार की मांग शासन से की है।

कैबिनेट मंत्री ने पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान करने का दिया भरोसा

रायपुर। विगत दिनों जिला अस्पताल दुर्ग में प्रसव के दौरान हुई महिलाओं की हुई दुर्भाग्यजनक मौत के परिजनों से कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने मुलाकात कर संवेदना व्यक्त किया। शिक्षा ग्रामोद्योग और विधि विधायी मंत्री गजेंद्र यादव ने बताया कि दुर्ग निगम क्षेत्र के शिवपारा निवासी किरण यादव एवं बजरंग नगर निवासी पूजा यादव के विगत दिनों हुए दुर्भाग्यपूर्ण निधन की घटना अत्यंत व्यथित करने वाली है। यह घटना न केवल दो परिवारों के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि समाज को भी गहरी पीड़ा पहुंचाने वाली है। बुधवार को दोनों शोकाकुल परिवारों के निज निवास पहुँचकर परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना प्रदान किया।

महिला सहायक प्राध्यापकों ने प्रोफेसर पर लगाए अभद्र व्यवहार के आरोप

राज्य महिला आयोग ने प्राचार्य को भेजा पत्र, 2 माह में जांच कर मांगी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने बुधवार को शासकीय नवीन महाविद्यालय नवागांव में कार्यरत महिला सहायक प्राध्यापकों की शिकायत पर सुनवाई की। महिला प्राध्यापकों ने पुरुष प्राध्यापक पर उनके साथ अभद्र व्यवहार, धमकी देने और अपमानित करने का आरोप लगाया है। वहीं अनावेदक ने भी महिलाओं पर आरोप लगाया है कि वे सभी पुरुष प्राध्यापक से खिलाफत करती हैं। दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद आयोग ने महाविद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने इस मामले की जांच कर दो माह के भीतर रिपोर्ट आयोग में पेश करने कहा है।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के कार्यालय रायपुर में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। इस दौरान में एक प्रकरण में शासकीय नवीन महाविद्यालय नवागांव में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत महिलाओं ने यहां पदस्थ पुरुष सहायक प्राध्यापक पर कई आरोप लगाए हैं। आवेदिकाओं ने बताया कि अनावेदक कॉलेज के छात्र-छात्राओं के सामने उनके साथ अभद्र व्यवहार, धमकी देना और अपमानित करते हैं। कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भी नंबर काटने की धमकी देकर उन पर दबाव डालते हैं। आवेदिकाओं ने यह भी आरोप लगाया कि अनावेदक बार-बार जूते के नीचे रहो कहकर धमकाते रहते हैं। एक आवेदिका ने यह भी आरोप लगाया है कि उसने मेडिकल आवश्यकता के आधार पर अवकाश की सूचना कॉलेज ग्रुप में दी थी। इसके बावजूद अनावेदक ने सार्वजनिक तौर पर उसके साथ अभद्र भाषा में आपत्तिजनक तरीके से उसे धमकाते हुए बात की, जिसकी वजह से आवेदिका का बीपी लो हो गया और उसकी प्रेगनेंसी में बच्चे का हार्टबीट बंद होने से अबॉर्शन हो गया। इधर अनावेदक ने अपने बचाव में कहा कि सभी महिला प्राध्यापक कॉलेज में पुरुष प्राध्यापक की खिलाफत करती हैं, इसलिए झूठे आरोप लगा रही हैं। दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद आयोग ने कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखकर आदेश दिया है कि दो माह के भीतर इस मामले की जांच कर रिपोर्ट आयोग को सौंपे।

सदस्यों का सुनवाई का बहिष्कार जारी

इधर एक ओर जहां आयोग की अध्यक्ष लगातार महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई करने के साथ उनका निराकरण कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर इस सुनवाई में आयोग की अन्य सदस्य शामिल नहीं हो रही हैं। आयोग की तीन सदस्य लक्ष्मी वर्मा, सरला कोसरिया, दीपिका सोरी और अध्यक्ष किरणमयी नायक के बीच का विवाद अभी तक सुलझ नहीं पाया है। आयोग की तीन सदस्यों ने पूर्व में अध्यक्ष पर मनमानी करने सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए सुनवाई का बहिष्कार किया था। इसके बाद से तीनों सदस्य आयोग की सुनवाई में शामिल नहीं हो रही हैं।

पकड़े गए बंधुआ मजदूरों में से 23 लड़के और 34 लड़कियों को छोड़ा गया

ऐसा है सिस्टम...जिन बंधुआ बच्चों को मशक्कत कर छुड़वाया, उन्हें 36 घंटे में ही ले गए ठेकेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

मशरूम फैक्ट्री से छुड़ाए गए नाबालिग श्रमवीरों के मामले में नया मोड़ आ गया है। सोमवार देर रात जिन लड़के-लड़कियों को महिला एवं बाल विकास विभाग के संरक्षण अधिकारी और समाजिक संगठन के सदस्यों ने मिलकर छुड़वाया था, उन्हें बुधवार दोपहर ठेकेदार अपनी बस में बैठाकर दोबारा फैक्ट्री में मजूदरी के लिए ले गए। अधिकारी मशरूम फैक्ट्री और ठेकेदारों के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं जुटा पाए। जिनके दस्तावेज उन्हें अब तक नहीं मिल सके हैं, केवल उन्हें ही नाबालिक मानते हुए माना स्थित संरक्षण गृह में रखा गया है। शेष को ठेकेदारों के हवाले कर दिया गया है। सोमवार देर रात छुड़वाए गए 48 लड़कों में से 23 को छोड़ दिया गया है और 25 के डॉक्यूमेंट का इंतजार है। इसी तरह से 61 लड़कियों में से 34 को छोड़ दिया गया है और केवल 21 लड़कियों को ही उनकी उम्र संबंधित डॉक्यूमेंट मिलने तक रखा गया है।

उम्र संबंधित कागजात दिखाने के साथ ही लड़के-लड़कियों को खरोरा स्थित मोजो मशरूम फैक्ट्री के ठेकेदार दोबारा ले गए, जबकि छुड़वाई गई लड़कियों में से कई ने ठेकेदार और उनके आदमियों के खिलाफ निजी अंगों को छूने और छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। छुड़वाए गए बच्चे यदि बालिक हैं, तब भी उन्हें जिस स्थिति में रखा गया और काम के बदले जो मजदूरी दी जा रही थी वो श्रम कानूनों का उल्लंघन है। इसके बाद भी इन पर बगैर कोई कार्रवाई किए चुपचाप ठेकेदारों को सौंप दिया गया है। श्रम विभाग भी शिकायत पर ही कार्रवाई करने की बात कहकर पल्ला झाड़ रहा है।

हर राज्य में अलग ठेकेदार

जिन बंधुआ मजदूरों को छुड़वाया गया है, वे अलग-अलग राज्यों से हैं। इनमें असम, झारखंड, ओडिशा, यूपी, एमपी और पश्चिम बंगाल से आए हुए मजदूर शामिल हैं। सभी राज्यों में अलग-अलग ठेकेदार हैं, जो मजूदरों की सप्लाई करते हैं। कंपनी इन ठेकेदारों से संपर्क कर मजदूरों का मोल-भाव करती है। जिन मजूदरों के उम्र संबंधित दस्तावेज नहीं मिल सके हैं, उन्हें नाबालिक मानकर महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारी तथा एसोसिएशन फॉर वॉयलेंट्री एक्शन के सदस्य बुधवार देर शाम खरोरा थाने मामले की शिकायत करने अवश्य पहुंचे, लेकिन आधे बच्चों को ठेकेदारों को ले जाते देखकर रोके गए बच्चों को भी विशेष राहत की उम्मीद नहीं है।

मशरूम फैक्ट्री से छुड़वाई गई बच्चियों ने काउंसिलिंग में सुनाई दर्दनाक आपबीती
बच्चियों ने कहा-ठेकेदार संग उसके आदमी काम के बहाने निजी अंग छूते थे, छेड़छाड़ भी

- काउंसिलिंग में बच्चे स्वीकार चुके, उन्हें माता-पिता ने पैसों की खातिर भेजा
- श्रम विभाग भी शिकायत पर ही कार्रवाई करने की बात कहकर पल्ला झाड़ रहा

शिकायत दर्ज : महिला एवं बाल विकास विभाग ने शिकायत दर्ज कराई है। इसके आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
- वीरेंद्र चतुर्वेदी, सीएसपी, विधानसभा

कई बच्चे जुलाई में भी छुड़वाए गए

जिन बच्चों को नवंबर माह में हुई छापेमारी में छुड़वाया गया है, उनमें से आधा दर्जन बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें जुलाई माह में छापेमारी के दौरान भी छुड़वाया जा चुका है। इनमें से कुछ बच्चों ने काउंसिलिंग के दौरान बताया कि उनके माता-पिता निश्चित राशि लेकर उन्हें ठेकेदार को सौंप चुके हैं, इसलिए उन्हें एक बार छुड़वाए जाने के बाद दोबारा काम पर लौटना पड़ा। इसके बाद भी इन बच्चों को केवल इस आधार पर ठेकेदारों के साथ जाने दिया गया, क्योंकि ये बालिक हैं। इन लड़के-लड़कियों ने आगे पढ़ने की इच्छा भी काउंसिलिंग के दौरान जताई थी। इनमें से कई 8वीं-10वीं पास हैं, जबकि कई पढ़ना-लिखना बिल्कुल भी नहीं जानते हैं। गौरतलब है कि इसी मशरूम फैक्ट्री में बंधक बनाकर मजदूरी कराए जाने का मामला इसी साल जुलाई माह में भी सामने आया था। उस दौरान 90 से अधिक मजदूरों को रेस्क्यू किया गया था। उस वक्त मामला लेबर कोर्ट तक पहुंचा। फिर कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई और ठेकेदार फिर से बच्चों से मजदूरी कराने लगे। नवंबर माह में हुई कार्रवाई भी इसी दिशा में बढ़ती नजर आ रही है।

ढाई साल के सौतेले बेटे की हत्या, हादसा बनाने की थी साजिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

परिवार अपनाना नहीं चाहता था, 20 दिन से कर रहा था टार्चर

पिता ने इतना पीटा की मासूम ने जान गंवा दी

परिवार द्वारा अपनाने से इनकार करने पर सौतले पिता ने ढाई साल के बच्चे को पीट-पीटकर मार डाला। पिटाई से गंभीर रूप से जख्मी मासूम के चोट की वजह हादसा बताने की साजिश की जा रही थी, मगर पोस्टमार्टम की रिपोर्ट से सच्चाई का खुलासा हो गया। कबीरनगर थाने की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि ढाई साल के सौतले बेटे की हत्या के आरोप में आसिब खान को गिरफ्तार किया गया है। वहीं बच्चे की सगी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बच्चे को गंभीर रूप से जख्मी हालत में एम्स लाया गया था। पिता ने डाक्टरों को बताया था कि बच्चा खेलते-खेलते गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोट लगी थी। इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई और जब उसका पोस्टमार्टम कराया गया, तो हत्या का राज खुल गया। पिता आसिब ने उसे इतना मारा था कि उसकी मौत हो गई।

मारपीट से मासूम के शरीर में काफी जख्म बन चुके थे

पुलिस अफसर के अनुसार आसिब ने परित्यक्ता रेशमी नामक महिला से शादी की थी। रेशमी अपने दो बच्चों को मायका छोड़ आई थी और मासूम को अपने साथ लेकर आई थी। आरोपी आसिब के पिता बहू को अपनाने को राजी थे, मगर उसके बच्चे को रखना नहीं चाहते थे। इसे लेकर आसिब से उसकी कहा सुनी होती थी। आसिब इस बात को लेकर नाराज था और उसने मासूम बच्चे पर गुस्सा निकालना शुरू कर दिया। पिछले 15-20 दिन से वह मासूम को बुरी तरह से पीट रहा था। मारपीट से मासूम के शरीर में काफी जख्म बन चुके थे और उसके कुछ आर्गन भी प्रभावित हो गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और हत्या का खुलासा हो गया।

आयुष का 'वयोमित्र' कार्यक्रम से अब तक 7.34 लाख को मिला स्वास्थ्य लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान रखते हुए वर्ष 2024 में शुरू किए गए वयोमित्र कार्यक्रम का लाभ अब तक 7.34 लाख से अधिक लोगों को मिल चुका है। इस योजना की शुरुआत पूर्व में संचालित सियान जतन अभियान की सफलता के बाद किया गया है। योजना के तहत बुजुर्गों को विभिन्न तरह की स्वास्थ्य जांच के साथ योगा, प्राणायाम के साथ प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में भी परामर्श दिया जाता है।

- सियान जतन योजना की सफलता के बाद 2024 से वयोमित्र योजना का संचालन

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत राष्ट्रीय कार्यक्रम 'वयोमित्र' की शुरुआत छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 से राज्य के 146 विकासखंडों में है। इसका मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों की स्वास्थ्य सेवा को सशक्त, सुलभ और प्रभावी बनाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों की स्वास्थ्य सेवा को सशक्त, सुलभ और प्रभावी बनाना है तथा समुदाय स्तर पर उनकी स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना भी है। इस पहल से, राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष पद्धतियों के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे उनका बुढ़ापा अधिक स्वस्थ और सम्मानजनक बन सकेगा। इस योजना में मरीजों को वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य बीमारियों के लिए सुरक्षित उपचार एवं सलाह विभिन्न शिविरों के माध्यम से दी जाती है। दावा किया जा रहा है कि आयुष आधारित जीवनशैली को अपनाने से मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और गुणवत्ता में वृद्धि हो रही है। इससे समुदाय में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सहानुभूति एवं सहयोग की भावना में वृद्धि भी हो रही है। संचालनालय आयुष के तहत संचालित इस कार्यक्रम ने अब तक 7 लाख 34 हजार से अधिक नागरिकों को लाभान्वित किया है, जो इसकी व्यापक पहुंच और सफलता को दर्शाता है।

स्वास्थ्य कल्याण का व्यापक मंच

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि आयुष राष्ट्रीय कार्यक्रम 'वयोमित्र' छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक व्यापक मंच बन गया है। यह कार्यक्रम वृद्धजनों को उनके घर पर ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक सार्थक पहल है। आयुष विभाग ने सभी वरिष्ठ नागरिकों एवं उनके परिवारों से आग्रह किया है कि वे इस कार्यक्रम का पूर्ण लाभ अवश्य लें।

सहारा इंडिया में निवेशकों के एक लाख 13 हजार करोड़ से अधिक पैसे फंसे, रिफंड हुए 7580 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सहित देशभर में सहारा इंडिया के समूहों में निवेशकों के एक लाख 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक पैसे फंसे हुए हैं। सहारा इंडिया समूह रायपुर से जुड़े सूत्रों से मिले आकड़ों के अनुसार इन फंसे पैसों को सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को लौटाया जा रहा है। इसके तहत देशभर के निवेशकों को अब तक कुल 7580 करोड़ रुपए लौटाए गए हैं।

इसमें छत्तीसगढ़ में 86 करोड़ रुपए से अधिक राशि लौटाई गई है। हालांकि निवेशकों की फंसी कुल राशि की तुलना में लौटाई गई राशि बहुत छोटी है। निवेशकों को यह राशि अभी तक 10 हजार, 20 हजार से लेकर 50 हजार रुपए तक लौटाई जा रही थी, वहीं जनवरी 2026 से इसे बढ़ाकर एक लाख से लेकर 5 लाख रुपए तक किए जाने की संभावना है।

प्रदेश में 25 लाख से अधिक निवेशकों के 20 हजार करोड़ से अधिक राशि फंसी

सहारा इंडिया समूह छत्तीसगढ़ के पूर्व एजेंटों के अनुसार प्रदेशभर में 25 लाख से अधिक निवेशकों के 20 हजार करोड़ से अधिक पैसे फंसे हुए हैं। इन फंसे पैसों की तुलना में अभी तक 86 करोड़ रुपए ही लौटाए गए हैं। एजेंटों का कहना है कि प्रदेश से जितने आवेदन रिफंड के लिए गए हैं, उनमें लगभग आधे आवेदनों को अलग-अलग कारण से रिजेक्ट कर दिए गए हैं। इसके कारण प्रदेश के निवेशकों को उनके डूबे पैसे भी मिल नहीं पा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के निवेशकों को भी 86 करोड़ से अधिक रिफंड

सहारा इंडिया की 127 कंपनियों के अंतर्गत स्कीमों में कराया गया था निवेश, रिफंड मात्र 4 कंपनियों का
छत्तीसगढ़ में 25 लाख परिवार प्रभावित, एक लाख कर चुके आवेदन, रिफंड 300 से कम निवेशकों को मिला

सहारा की 34 प्रॉपर्टी विवादित, अडानी समूह खरीदने की तैयारी में

सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को उनके डूबे पैसे वापस किए जा रहे हैं। इसके तहत सहारा समूह का सेबी के पास जमा राशि को धीरे-धीरे जारी कर रिफंड पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को लौटाई जा रही है। सहारा समूह की खुद की करीब 88 प्रॉपर्टी भी हैं। सूत्रों के अनुसार इन प्रॉपर्टियों को खरीदने में अडानी समूह ने रुचि भी दिखाई है। इसके लिए अडानी समूह ने अर्जी भी लगाई हुई है। बताया जा रहा है कि सहारा समूह की करीब 34 प्रॉपर्टी विवाद में फंसी हुई है। इसके कारण अभी तक यह प्रॉपर्टी की बिक्री नहीं हो पाई है। सूत्रों की मानें, तो प्रॉपर्टी की बिक्री होने से जो राशि मिलेगी, वह भी निवेशकों को वापस की जाएगी। संभावना जताई जा रही है कि आगामी एक-दो महीने के भीतर विवादित 34 प्रॉपर्टी पर फैसला आ सकता है, जिसके बाद कानूनी अड़चनें दूर हो जाएंगी और सौदा हो पाएगा।

डेटा बदलने का आरोप

सहारा पीड़ित जमाकर्ता-कार्यकर्ता कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह राजपूत ने पूर्व में यह आरोप भी लगा चुके हैं कि सहारा सोसायटियों के प्रबंधन के द्वारा सीआरसीएस को सत्यापन कर जो डेटा दिया गया है वह अपूर्ण है। प्रबंधन ने डेटा को बदल दिया है। पोर्टल भी पारदर्शिता नहीं है। इसके कारण सिर्फ 4 सोसायटियों के निवेशकों को पैसे लौटाए जा रहे हैं, जबकि सहारा समूह की 127 सोसायटियों में निवेशकों ने पैसे निवेश किए हैं।

प्रॉपर्टी बिक्री पर सेबी को ऐतराज नहीं

सूत्रों के अनुसार सहारा समूह की प्रॉपर्टी को अडानी समूह खरीदने की रुचि ले रहा है। इसे लेकर सेबी ने भी ऐतराज से इनकार किया है। सेबी का कहना है कि प्रॉपर्टी की बिक्री की राशि भी सेबी में ही जमा होनी है, जिसे बाद में निवेशकों को रिफंड पोर्टल के माध्यम से लौटाया जाना है।

प्रदेश में 31 हजार से अधिक गाड़ियों में लगा जीपीएस सिस्टम, इनमें 26426 माल वाहक एवं 4712 बसें शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों में चलने वाली सार्वजनिक बसें, माल वाहक एवं टैक्सी वाहन में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और पैनिक बटन लगाना अनिवार्य किया है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में भी लगातार गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम लगाए जा रहे हैं, लेकिन पैनिक बटन अब तक नहीं लगाए गए हैं।

परिवहन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक कुल 31 हजार 397 वाहन में जीपीएस सिस्टम लगाए गए हैं। इनमें 26426 माल वाहक, 4712 बसें तथा 259 चारपहिया वाहन शामिल हैं। देखा जाए तो प्रदेश में पंजीकृत गाड़ियों की तुलना में जीपीएस सिस्टम बहुत कम गाड़ियों में लग पाया है, जबकि इस नियम को लागू हुए 6 साल से ज्यादा हो चुका है। इसके बाद भी वाहन मालिक जीपीएस सिस्टम और पैनिक बटन नहीं लगवा रहे हैं।

महिला एवं यात्रियों की सुरक्षा के कारण नियम लागू

जीपीएस सिस्टम एवं पैनिक बटन को लागू करने के पीछे सरकार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं तथा यात्रियों की सुरक्षा करना है। यह सिस्टम वर्ष 2018 में लागू हुआ है, वहीं वर्ष 2019 में इस सिस्टम को सख्ती से पालन कराने के निर्देश परिवहन मंत्रालय ने दिए थे। इस निर्देश के तहत प्रदेश में लगातार सार्वजनिक माल वाहक, टैक्सी वाहन एवं बसों पर जीपीएस सिस्टम एवं पैनिक बटन लगाने के लिए राज्य परिवहन विभाग द्वारा दबाव भी बनाया जा रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण इसका असर वाहन मालिकों पर नहीं पड़ रहा है। यही कारण है कि जीपीएस एवं पैनिक बटन सिस्टम लगाना अनिवार्य होने के बाद भी प्रदेश में अभी तक बहुत कम संख्या में गाड़ियों में ये सिस्टम लगाए गए हैं।

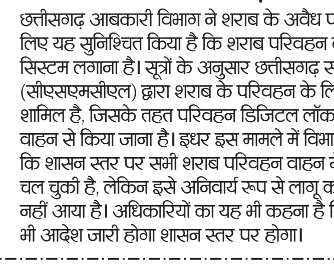

निगरानी के साथ राजस्व नुकसान भी बचेगा : आबकारी विभाग के गोदामों एवं दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिसके जरिए उनकी निगरानी की जाती है, वहीं शराब परिवहन गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम लगने से पारदर्शिता सुनिश्चित होगी, साथ ही राजस्व के नुकसान को रोका जा सकेगा।

शराब परिवहन की गाड़ियों में भी अब तक नहीं लगा

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने शराब के अवैध परिवहन और तस्करी को रोकने के लिए यह सुनिश्चित किया है कि शराब परिवहन करने वाली सभी गाड़ियों में भी जीपीएस सिस्टम लगाना है। सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) द्वारा शराब के परिवहन के लिए जारी निविदाओं में यह स्पष्ट शर्त भी शामिल है, जिसके तहत परिवहन डिजिटल लॉक और जीपीएस ट्रैकिंग सुविधा वाले वाहन से किया जाना है। इधर इस मामले में विभाग के जिला अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर पर सभी शराब परिवहन वाहन में जीपीएस सिस्टम लगाने की फाइल चल चुकी है, लेकिन इसे अनिवार्य रूप से लागू करने के संबंध में कोई स्पष्ट आदेश नहीं आया है। अधिकारियों का यह भी कहना है कि जीपीएस सिस्टम लगाने संबंधी जो भी आदेश जारी होगा शासन स्तर पर होगा।

कार्रवाई नहीं, इसलिए सिस्टम का पालन भी नहीं

जीपीएस और पैनिक बटन लगाने का सिस्टम अनिवार्य है। इसके बाद भी वाहन मालिक इस आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके पीछे बड़ी वजह पालन नहीं करने वाले वाहन मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं किया जाना है। परिवहन विभाग अभी तक इस सिस्टम को लागू कराने में सख्ती नहीं बरती है, जिसके कारण इस सिस्टम का वाहन मालिक पालन भी नहीं कर रहे हैं।

किस रूट पर वाहन चल रहा पल-पल की जानकारी मिलेगी

जीपीएस सिस्टम के लगने से बस, ट्रक, टैक्सी किस रूट पर चल रही है। इसकी पल-पल की जानकारी परिवहन विभाग को मिलेगी, वहीं पैनिक बटन की मदद से परिवहन विभाग और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी जा सकेगी। सूचना मिलते ही यात्री की सुरक्षा के लिए जीपीएस से ट्रेक कर पुलिस वहां पहुंच पाएगी।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, गुरुवार 20 नवंबर 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

विवाह योग्य युवक-युवतियों को जीवन ....

लाइव इवेंट

हरियाणा और चंडीगढ़ में गूंजेगी पंथी की धुन, 23 को रवाना होगा नर्तक दल

रायपुर। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला (संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार) द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 25 से 29 नवंबर को ब्रह्म सरोवर परिसर कुरुक्षेत्र हरियाणा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में ग्राम कुटेश्वर के उपकार पंथी दल दिनेश जांगड़े के नेतृत्व में पंथी नृत्य व गीतों की प्रस्तुति देंगे। वहीं, 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक चंडीगढ़ (पंजाब) में आयोजित राष्ट्रीय शिल्प मेला में संत बाबा गुरु घासीदास दास जी के सिद्धांत, आदर्श, समानता, सद्भावना, सत्य, अहिंसा एवं मानव-मानव एक समान के अमर संदेश को पंथी नृत्य-गीत के माध्यम से प्रचारित व प्रसारित करेंगे। कार्यक्रम में भाग लेने पंथी नृत्य दल 23 नवंबर को रवाना होगा। उपकार पंथी दल के दिनेश जांगड़े ने बताया कि उपकार पंथी नृत्य दल छत्तीसगढ़ में प्रतिष्ठित कला दलों में से एक है, जो भारत देश के लगभग सभी राज्यों के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महोत्सव एवं समारोह में पंथी नृत्य व गीतों की प्रस्तुति दे चुका है। जिसके अंतर्गत भारत पर्व दिल्ली, मणिपुर, नागालैंड, लोकरंग जयपुर, भोपाल, उज्जैन कालिदास समारोह, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला सूरजकुंड आदि शामिल हैं।

पंथी नृत्य दल में ये सदस्य हैं शामिल

दिनेश जांगड़े एवं साथी आकाशवाणी एवं रायपुर दूरदर्शन के नियमित कलाकार हैं। इस पंथी नृत्य दल में गायक सलीम जांगड़े, वादक जसवंत जांगड़े, झुमका वादक मनहरन दास जांगड़े, झांझ वादक विजय जांगड़े एवं सहयोगी कलाकार गौकरण दास जांगड़े, देवकरण दास जांगड़े, गोविंद सिंह गिलहरे, दुलेश्वर ढीढी, धनीराम गिलहरे, परमेश्वर जांगड़े, रोशन गिलहरे, सुरेंद्र कुमार जांगड़े, महेश्वर महिलांग,पनेशर गिलहरे शामिल हैं।

● राजधानी में शादी, सगाई और बारात की अगुवाई करने पारंपरिक वाद्ययंत्रों की बुकिंग करवाने में लोग अब भी ले रहे रुचि

पारंपरिक शादियों में गड़वा बाजा और ब्रांस बैंड की धूम बारात का स्वागत करने धुमाल संग रोड लाइट का चलन

रायपुर। देवउठनी से पहले यानी अक्टूबर से ही बेटे-बेटियों के वैवाहिक समारोह को यादगार बनाने के लिए तैयारियों का सिलसिला तेज हो गया है। इस श्रृंखला में लोगों ने वाहनों, बैंड और धुमाल के साथ वैवाहिक रस्मों को पूरा करने के लिए गड़वा बाजा भी बुक करवा लिए हैं। पारंपरिक शादियों में अब भी प्रचलित वाद्ययंत्रों का उपयोग करने में लोग रुचि ले रहे हैं। इससे पारंपरिक बाजा बजाने वाले युवाओं को काम मिल रहा है। वाद्ययंत्रों के साथ रोड लाइट के व्यवसाय से जुड़े भागवत चौहान, संतोष वानखेड़े ने बताया कि लोग अब भी सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर घरों और भवनों में होने वाली शादियों के लिए पहली प्राथमिकता पारंपरिक वाद्यों को देते हैं। सगाई और मंडप के साथ ही चुलमाटी की रस्म को पूरा करने के लिए गड़वा बाजा और ब्रांस बैंड की बुकिंग करवाते हैं। छत्तीसगढ़ में विवाह की एक प्रमुख और पहली रस्म चुलमाटी है। जिसमें महिलाएं गड़वा बाजा और ब्रांस बैंड के साथ एक विशेष स्थान से मिट्टी लाने के लिए जाती हैं। जिससे विवाह मंडप बनाया जाता है। इस रस्म के बाद दूल्हा और दुल्हन को हल्दी लगाई जाती है। इस अवसर को खास बनाने के लिए लोगों द्वारा पारंपरिक वाद्ययंत्रों को ही पसंद किया जा रहा है। कम बजट के साथ आसानी से मिलने की वजह से भी लोग इसे प्राथमिकता देते हैं। एक बड़ा वर्ग है, जो सगाई के अवसर पर भी ब्रांस बैंड का ही उपयोग करना पसंद करता है। इसके चलते वैवाहिक सीजन में पूछ-परख कायम है।

'बेटे-बेटियों की शादी, सजाई और चुलमाटी के लिए लोग अब भी पारंपरिक वाद्ययंत्रों को पहली प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके चलते शादियों में गड़वा बाजा और ब्रांस बैंड ही नहीं, बल्कि बारात स्वागत में रोड लाइट और धुमाल से भी लोग अवसर को यादगार बनाने बुकिंग भी करवा रहे हैं। इससे पारंपरिक वाद्ययंत्रों को बजाने वाले युवाओं का क्रेज बरकरार है। इनकी पूछ-परख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिसंबर तक ज्यादातर बैंड, धुमाल की बुकिंग लोगों ने करवा लिए हैं।'

पारंपरिक छत्तीसगढ़ी गड़वा बाजे का चलन

रितेश सागर और अशरफ ने बताया कि झांझ, नगाड़ा और मोहरी (बांस से बनी शहनाई जैसे वाद्ययंत्र) का उपयोग किया जाता है। इनके साथ ही ढोल, ढोलक, मांदर, तुरही और निशान जैसे अन्य वाद्ययंत्रों को भी समूह में शामिल किया जाता है। गड़वा बाजे का चलन अब भी लोग खुशी और उत्सव के साथ ही चुलमाटी, सगाई जैसे आयोजनों में करते हैं। इसके लिए 15 से 20 हजार रुपए में शहरी क्षेत्र के लिए आर्डर लेते हैं। शहर से दूर जाने पर वाहन भाड़ा भी जुड़ जाता है। इसके चलते लोग अपने आस-पास की बैंड पाटी को ही आर्डर देते हैं।

धुमाल के साथ रोड लाइट दल भी शामिल

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक धुमाल में ढोल, नगाड़ा, मांदर, मोहरी और शहनाई जैसे वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में निशान, ताशा, तुरही, अल्गोजा और चिंकारा जैसे पारंपरिक वाद्यों को भी शामिल किया जाता है। इसके लिए लोग 25 हजार से एक लाख रुपए तक देते हैं। शहर के बाहर की बुकिंग मिलने पर वाहन भाड़ा के साथ ही शुल्क में भी इजाफा किया जाता है, क्योंकि रोड लाइट और बैंड दल का खर्च भी बढ़ जाता है। इनके लिए अलग से वाहन का भी इंतजाम करना पड़ता है।

इस सीजन में भी रौनक बढ़ाएंगे युवा बैंड दल

बैंड के साथ 12 लोगों का ग्रुप होता है। इनके हाथों में ड्रमपेड, क्लानेट, ड्रम वाद्ययंत्र के रूप में होता है। वहीं, धुमाल में 40 लोगों का ग्रुप होता है। इनके लिए उपयोग होने वाले साउंड सिस्टम को एक गाड़ी में बॉक्स के साथ इस्तेमाल किया जाता है। इससे जुड़े शहर के युवा भी अब एक बार फिर पुराने दौर की याद ताजा करने की उम्मीद से बढ़ने वाली रौनक को लेकर सजग होने के साथ ही समय की मांग और जरूरत को देखते हुए काम के तौर-तरीकों में भी बदलाव करने लगे हैं। इस तरह के प्रयास वे अपने व्यवसाय को बचाने के लिए भी करने लगे हैं।

ब्रांस बैंड की मांग शहरी क्षेत्र में ज्यादा

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक ब्रांस बैंड में नगाड़ा, ढोलक, मोहरी-शहनाई और तुरही जैसे वाद्ययंत्रों को शामिल किया जाता है। यह पीतल और अन्य धातुओं से बना होता है। इनके अलावा, पारंपरिक वाद्य जैसे मांदर और बांसुरी का भी उपयोग ब्रांस बैंड में किया जाता है। यह ब्रांस वाद्य के साथ मिलकर एक अनूठी धुन बनाता है। इसकी मधुर धुन पर लोग थिरकते हुए उत्सव का हिस्सा भी बनना पसंद करते हैं।

सिटी इवेंट

घर के गार्डन में बिखरेगी पिटुनिया, गेंदा एस्टर और एंथेरियम फूलों की रंग-बिरंगी छटा

रायपुर। सर्दियों के मौसम में घर के गार्डन को देशी-विदेशी रंग-बिरंगे फूलों से सजाने का ट्रेंड चल रहा है। बागवानी के शौकीन अपने गार्डन को नए फूलों से सजाने में जुट गए हैं। इस मौसम में लगने वाले फूल न सिर्फ ठंड के मौसम को खुशनुमा बना देते हैं, बल्कि घर के माहौल में भी ताजगी और रंगों से भर देते हैं। शहर के बागवानी विशेषज्ञ कमल साहू बताते हैं कि देशी फूलों की कई वैरायटी हैं, जो होम गार्डन में चार चांद लगा सकता है। यह देशी फूलों के पौधे सरल विधि से गार्डन में रोपे जा सकते हैं। गार्डन को फूलों से सजाने वालों के लिए नवंबर में गेंदे का पौधा सबसे लोकप्रिय विकल्प हो सकता है। इसकी देखभाल आसान होती है और यह ठंड में खूब खिलता है। गेंदा के फूल पीले, नारंगी और सुनहरे रंग में मिलते हैं, जो घर के गार्डन को बेहद आकर्षक बनाते हैं। यह फूल लंबे समय तक खिलता है और शादी या धार्मिक आयोजनों में भी खूब इस्तेमाल होता है। अगर आप रंग-बिरंगे फूलों से अपनी बालकनी या आंगन को सजाना चाहते हैं तो पेटुनिया एक बढ़िया विकल्प है। इसके फूल लाल, गुलाबी, बैंगनी, सफेद और नीले रंगों में खिलते हैं। इसे धूप वाली जगह पर लगाना सबसे अच्छा रहता है। नवंबर में इसकी पौध रोपने पर जनवरी-फरवरी तक तैयार हो जाता है। गुलदाउदी सर्दियों की शान मानी जाती है। इसके फूलों के आकार और रंग इतने विविध होते हैं कि गार्डन देखते ही मन खुश हो जाता है। डहेलिया के फूल बड़े और खूबसूरत होते हैं, जो किसी भी गार्डन की शोभा बढ़ाने बागवानी के शौकीनों की पहली पसंद है।

फूलों के पौधों की कीमत 50 से 500 रुपए तक

हर के नर्सरी में 50 से 500 रुपए के बीच में गेंदा, गुलाब, सदाबहार, डहलिया, पिटुनिया, गुलदाउदी और एंथुरियम जैसे कई फूल वाले पौधे खरीद सकते हैं। इन पौधों की कीमत उनकी किस्म, आकार और नर्सरी के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। उदाहरण के लिए गेंदा के पौधे 50 रुपए, गुलाब हाइब्रिड 100-150 रुपए और पिटुनिया के पौधे 250 रुपए में बिक रहा है। वहीं, एस्टर मौसमी फूल के पौधे की कीमत 300 रुपए प्रति पौधा, एंथोरियम फूल की सामान्य कीमत 200 से 800 रुपए प्रति पौधा है।

नर्सरी में इन फूलों के पौधों की डिमांड

पुरानी धमतरी रोड स्थित नर्सरी के संचालक उमेश श्रीवास्तव का कहना है कि सर्दियों के मौसम के शुरुआत के साथ ही शहर में फूलों के पौधों की डिमांड बढ़ जाती है। इस मौसम में फूलों की वैरायटी जैसे पिटुनिया, गेंदा (मैरीगोल्ड), एस्टर और एंथेरियम की सबसे ज़्यादा मांग में है। साथ ही, लोग इनडोर पौधों और खुशबूदार फूलों जैसे मधुमालती, बेला और हरसिंगार के पौधे भी खरीद रहे हैं। कनेर और टिकोमा जैसे पौधे भी लोकप्रिय हैं।

परवरिश के साथ माता-पिता जनरेशन के अंतर को समझें

रायपुर। शहर के वृन्दावन हाल में रामगढ़िया सेवक सभा महिला विंग ने स्पेशल पेरेंटिंग सेशन का आयोजन किया। इस कड़ी में बुधवार को मुख्य वक्ता एवं कोच हर्षदा टिचकुले ने पालकों को कई तरह के टिप्स दिए। बच्चों की परवरिश और पालन पोषण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नए जनरेशन के साथ तालमेल बनाकर ही हम उनकी सोच, पसंद- नापसंद को जानने का प्रयास करें। इसके बाद ही किसी विषय पर संवाद का सिलसिला शुरू करें। बेहतर होगा अगर संयुक्त परिवार में रहते हैं तो उनको दादा- दादी के साथ ज्यादा समय बिताने दें। इससे बेटे-बेटियों को परंपराओं के साथ बड़ों से संवाद का सही तरीका सीखने को मिलेगा। इससे उनको किसी बात को समझाने में आसानी होगी।

मेडिकल कैंप में जांच के बाद दिए सुझाव

विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य में रामगढ़िया सेवक सभा यूथ विंग द्वारा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. केएस भाटिया ने मधुमेह पर चर्चा करते हुए बताया कि दिनचर्या को व्यवस्थित करके इस बीमारी के साथ जिया जा सकता है। दवा के साथ खानपान का ध्यान रखते हुए मधुमेह को किस तरह से कंट्रोल करना चाहिए, इस पर मार्गदर्शन दिया। मेडिकल कैंप में निःशुल्क खून, शुगर की जांच की गई। कार्यक्रम का संचालन भूमिका कौर, अंशु राणा और नीतू भूई ने किया। इस अवसर पर सेवक सभा के अध्यक्ष बलदेव सिंह भूई और एक्सक्यूटिव बॉडी के सदस्य, महिला विंग के तेजिंदर कौर, हरशरण कौर, रीना सीरे, महिला विंग की अध्यक्ष प्रदीप कौर व टीम मेंबर्स, यूथ विंग की टीम और समाज के सदस्य भी उपस्थित थे।

एक हजार बच्चे सिख वेशभूषा में वीर बाल रैली में होंगे शामिल

रायपुर। साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह के अतुलनीय साहस और अद्वितीय बलिदान को स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीर दिवस मनाने के लिए घोषणा की थी। इस दिवस को ऐतिहासिक रूप से मनाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने तैयारी शुरू की है। 20 दिसंबर को रायपुर में एक भव्य 'वीर बाल रैली' का आयोजन किया जाएगा। इसमें रायपुर जिले और आसपास के 5000 स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल होंगी। इनमें एनएसएस के साथ एनसीसी, स्काउट-गाइड प्रमुख रूप से शामिल होंगे। इनके साथ ही वीरता खेलों जैसे ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, जूडो और कराटे, फेंगशुई, गतका से जुड़े खिलाड़ी भी विशेष रूप से शिरकत करेंगे। यह जानकारी परमजीत सिंह दत्ता ने दी।

साहिबजादों की आकर्षक झांकी होगी आकर्षण

वीर बाल रैली में 1000 बच्चे सिख वेशभूषा में शामिल होंगे। रैली का मुख्य उद्देश्य साहिबजादों के अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा और अटल विश्वास की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। बच्चों में वीरता, राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का संचार करना इस आयोजन का मकसद है। समाज में भाईचारा, मानवीय मूल्यों और सेवा भावना को बढ़ावा देना है। वीर बाल रैली में साहिबजादों के बलिदान पर आधारित ऐतिहासिक झांकी आकर्षण का केन्द्र होगी। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि 'साहिबजादों का बलिदान संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणादायक है।'

लोककला को जिंदा रखने के लिए रंग साधक खुद को बेहतर करने के साथ युवाओं को भी सिखा रहे गुर

किरदार को जीवंत करने महीनों की तैयारी और गुरुओं की निगरानी में सजता है रंगमंच, अनुभव से युवाओं को तराश रहे रंग साधक

कार्नर न्यूज

रायपुर। रंगमंच पर किसी भी किरदार को जीवंत करने से पहले रंग साधक महीनों तक उसकी तैयारी में डूबे रहते हैं। वे न केवल संवाद और मुद्राएं सीखते हैं, बल्कि पात्र की परिस्थिति, मनोभाव और जीवन को महसूस करते हुए स्वयं को पूरी तरह उस रूप में ढालते हैं। उनके लिए अभिनय सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि साधना है। वर्षों की मेहनत और समर्पण के बाद वे दर्शकों के मन पर अपनी गहरी छाप छोड़ते और मंच पर खास पहचान बनाने में सफल होते हैं। लंबे समय से रंग साधक दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ शेष समय अभिनय साधना को ही देते आ रहे हैं। हरिभूमि से बातचीत में रंग साधकों ने बताया कि अभिनय अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है, जहां दर्शक भावनाओं के स्तर पर कलाकार से जुड़ाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि वे नई पीढ़ी को बेहतर अभिनय और रंगमंचीय अनुशासन सिखाकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं, ताकि मंच की परंपरा नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ती रहे।

अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम रंगमंच

रंगमंच से जुड़े डॉ. कुंज बिहारी शर्मा ने बताया कि वे वर्ष 1977 से रंगमंच से जुड़े हैं। विद्यार्थी जीवन में गुरुओं के मार्गदर्शन में अभिनय की शुरुआत की। पहले छोटे-छोटे किरदार निभाते हुए अपनी कला को निखारा और धीरे-धीरे मंच पर अपनी पहचान बनाई। शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य के पद पर रहकर भी प्रतिदिन 2-3 घंटा खुद को निखारने और अभिनय को समर्पित किया है। 66 वर्ष की उम्र में भी कला संस्थानों से जुड़कर युवाओं को अभिनय सिखाने में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं में धैर्य की कमी दिखाई देती है। कम समय में सफलता पाना चाहते हैं, लेकिन पात्रों के प्रति उनकी रुचि आज भी पहले जैसी मजबूत है। युवा प्रत्येक किरदार की तैयारी गंभीरता से करते हैं।

35 देशों में 22 किरदारों को अभिनय से तराशा

रंगकर्मी ममता अहार 35 देशों में नाट्य प्रस्तुति दे चुकी हैं। सामाजिक समस्याओं, पारंपरिक मूल्यों और ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित नाटक स्वयं लिखती और उन्हीं में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने बताया कि नाटक लेखन के साथ संगीत और नृत्य की रचना भी करती हैं, ताकि दर्शकों के सामने एक सशक्त और प्रभावी मंचन किया जा सके। ममता अहार शासकीय प्राथमिक शाला में प्रधान पाठिका के रूप में कार्यरत हैं। 23 वर्षों से मजदूर वर्ग के बच्चों को अभिनय के प्रति प्रोत्साहित कर रही हैं। अभी तक विभिन्न देशों में 22 किरदारों पर मंचन करने का अवसर मिला है। इसमें मीरा, अहिल्याबाई, सावित्री, द्रौपदी, यशोधरा और रुक्मणी जैसे प्रमुख पात्र शामिल हैं।

गुरुओं से सीखने के बाद मंच से जुड़े रहे युवा

रंग साधक रंजन मोड़क ने बताया कि अभिनय के शुरुआती दिनों में संसाधनों की कमी के कारण गुरुओं से सीखते थे। साधन के विकल्प कम हुआ करता था। 1990 के दशक से लेकर अब तक युवाओं में अभिनय के प्रति जुनून कम नहीं हुआ है। अब युवा अपने किरदार को पूर्ण समर्पण भाव से निभाते और निर्देशक के मार्गदर्शन के साथ इंटरनेट, दोस्तों और यूट्यूब वीडियो की मदद से अपनी कला को निखारने का प्रयास करते हैं। लगभग 25 वर्षों से शासकीय स्कूलों में बतौर शिक्षक सेवा दे रहा हूं। इसके साथ ही प्रतिदिन शाम के समय अभिनय को देना पसंद करते हैं। युवा पीढ़ी जो अभिनय के साथ आगे बढ़ना चाहती है, उन्हें मंच देना और उनकी रचनाओं को समर्थन देते है। शुरुआत दौर में महाराष्ट्र मंडल के सहयोग से अभिनय सीखने का प्रयास किया। कला का सम्मान करते हुए मंच दिया। इन दिनों सामाजिक मुद्दों, महिला सशक्तीकरण और तृतीय लिंग से जुड़े नाटकों का मंचन किया जा रहा है।

सिटी लाइव

फाउंडर्स कनेक्ट में एक्सपर्ट ने साझा किए अनुभव, दी स्टार्टअप की सीख

रायपुर। बिजनेसघर द्वारा एक दिवसीय फाउंडर्स कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जयपुर, सूरत और रायपुर से स्टार्टअप कंपनी के फाउंडर्स शामिल हुए। इसमें मुख्य रूप में शहर व आसपास के शहरों में युवा स्टार्टअप प्लान के साथ शामिल हुए, जिन्होंने फाउंडर्स से उनकी बिजनेस जर्नी को समझने का प्रयास किया। साथ ही, शुरुआती दिनों में चुनौती, स्टार्टअप प्लान आइडियाज और समस्याओं से निकलने की सलाह ली। स्टार्टअप चौपाल, जयपुर के संस्थापक सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि स्टार्टअप दुनिया में सीखना कभी रुकना नहीं चाहिए। उन्होंने युवाओं को प्रायोगिक अनुभव, बाजार समझ और टीम निर्माण पर ध्यान देने की सलाह दी।

वित्तीय, अनुशासन और तकनीक से स्टार्टअप

गेटगेब्स एआई जयपुर के संस्थापक गौरव शर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता छोटे-बड़े सभी व्यवसायों की रीढ़ बनेगी। वेबलेजर सूरत के संस्थापक के सीए अजीत भंसाली ने कहा कि स्टार्टअप्स को शुरू से ही तकनीकी स्वचालन और सही वित्तीय प्रबंधन अपनाना चाहिए। इससे कंपनी की नींव मजबूत होती है और व्यवसाय का विस्तार आसान होता है। बिजनेसघर के सह-संस्थापक डॉ. डोमेंद्र सिंह गंजिर ने कहा कि यह कार्यक्रम शहर के स्टार्टअप समुदाय में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास लेकर आया है। उन्होंने बताया कि युवाओं को केवल विचारों की नहीं, बल्कि सही दिशा, नेटवर्क और वास्तविक अनुभवों की भी आवश्यकता होती है, और यह मंच वही उपलब्ध कराता है।

धर्म लाइव

गायत्री परिवार ने महायज्ञ के लिए सीएम को दिया न्योता

रायपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ और 1100 गर्भवती महिलाओं के पुंसवन संस्कार के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आमंत्रित किया गया है। गायत्री परिवार ट्रस्ट समता कॉलोनी के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने बताया कि बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक अंतर्गत सिलघट में 10 से 13 दिसंबर तक होने वाले 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को सफल बनाने तैयारी शुरू की है। इस कड़ी में 1100 महिलाओं का पुंसवन संस्कार होगा। पुंसवन संस्कार का मतलब गर्भवती महिलाओं के पेट में जो बच्चा है वह संस्कारवान और गुणवान बने, इसके लिए गायत्री परिवार द्वारा पुंसवन संस्कार का आयोजन किया जाएगा।

व्यवस्था बनाने के लिए तैयारी का सिलसिला तेज

उन्होंने आगे यह भी बताया कि 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के दौरान 108 जोड़ों का सामूहिक विवाह का आयोजन गायत्री परिवार द्वारा रखा गया है। इसमें प्रमुख रूप से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी शामिल होंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री को गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी द्वारा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्हें आयोजन में शामिल होने न्योता भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में रायपुर सहित प्रदेशभर से गायत्री परिवार के लोग शामिल होंगे। इसके लिए व्यवस्थागत तैयारी का सिलसिला तेज हो गया है।

इवेंट लाइव

फायरलेस कुकिंग कॉम्पिटिशन में बच्चे और पैरेंट्स ने मिलकर बनाई स्पेशियल डिश

रायपुर। ब्रह्मविद द ग्लोबल स्कूल में छात्रों को एजुकेशन और रोमांच से जोड़ने के लिए खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां छात्रों ने पैरेंट्स के साथ मिलकर फायरलेस कुकिंग कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया, साथ ही स्पेशियल डिश का स्टॉल भी सजाया है। इस दौरान नर्सरी और कैसी क्लास में पैरेंट्स बच्चों के साथ खास समय बिताते नजर आए, जो फल, सब्जियों की मदद से प्लेट सजाते दिखे।

पारले जी फैक्ट्री में शैक्षणिक भ्रमण

यहां कक्षा पहली के छात्रों ने पारले-जी फैक्ट्री का दौरा किया, जहां बच्चों ने बिस्कुट बनाने की पूरी प्रक्रिया को समझा। आटे की तैयारी से लेकर बेकिंग और पैकेजिंग करने की प्रकिया में बच्चे शामिल हुए। कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने मैग्नेटो मॉल में मजेदार आउटिंग का लुफ्त उठाया। इसमें गुब्बारे, म्यूजिकल चेयर और कई गेम्स बच्चों को खेलने का मौका मिला। वे दोस्तों के साथ ग्रुप में गेस्म खेलते दिखे। जहां उन्हें टीम वर्क और आपसी प्रेम के बारे में बताया गया।

● सरोकार से जुड़कर समाज के लोग कर रहे पहल, ताकि बचा सके खर्च और समय

विवाह योग्य युवक-युवतियों को जीवन साथी चुनने मंच देकर समाज ने बदलते वक्त के साथ कायम की नई व्यवस्था

सामाजिक मंच पर विवाह योग्य युवक-युवतियों को शादी के बंधन में जोड़ने की पहल एक नई व्यवस्था बनकर उभरी है। शादी-ब्याह की परंपरा को सरल बनाने वाली इस नवाचारी व्यवस्था को लगभग सभी समाज ने स्वीकृति दी है। यही वजह है कि शादी के सीजन शुरू होते ही शहर में विभिन्न समाज द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह जैसे समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जहां एक ही मंच पर योग्य वर-वधु की तलाश पूरी हो रही है।

रायपुर। कई समाज द्वारा नवंबर महीने से ही परिचय सम्मेलन का आयोजन कर लिए हैं तो कई दिसंबर-जनवरी में सम्मेलन व विवाह कार्यक्रम आयोजन की तैयारी में जुट गए हैं। इनमें मुख्य रूप से सतनामी समाज, कलार समाज, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज, अग्रवाल समाज, गोंड समाज, साहू समाज, मनवा कुर्मी समाज सहित कई सामाजिक संगठन भी इस दिशा में सक्रिय रूप से अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में लगे हुए हैं। इन समाज के प्रमुखों ने बताया कि नवंबर से लेकर फरवरी तक राजधानी सहित प्रदेश के अलग-अलग शहरों में समाज के योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन, पत्रिका विमोचन और सामूहिक विवाह को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसके लिए समाज के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां तय की गई हैं, जो इन वैवाहिक परिचय सम्मेलनों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों, उनके परिजनों, समाज के प्रतिष्ठितजनों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने में सहयोग करेंगे। ताकि समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन, पत्रिका विमोचन और सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके। हरिभूमि की टीम ने सामाजिक नवाचार की इस पहल में भागीदार प्रमुख समाज के पदाधिकारियों से बातचीत की, जिन्होंने आगामी दिनों में आयोजित किए जा रहे सामाजिक वैवाहिक आयोजनों व सम्मेलनों की जानकारी साझा की हैं।

मनवा कुर्मी समाज का आयोजन

मनवा कुर्मी समाज के केंद्रीय विवाह प्रभारी चंद्रकुमार वर्मा ने बताया कि मनवा कुर्मी समाज का मिलन पत्रिका का विमोचन और युवक युवती परिचय सम्मेलन 30 नवंबर को रायपुर धरसींवा राज के अंतर्गत ग्राम सांकरा में आयोजित किया जाएगा। वहीं, 14 दिसंबर को जिला सक्ती में सम्मेलन होगा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का सामूहिक विवाह का आयोजन 21, 22 फरवरी को बलौदा बाजार राज में होगा। पिछले वर्ष सामूहिक विवाह में 12 जोड़े विवाह बंधन में बंधे थे। इस वर्ष 20 जोड़े का लक्ष्य रखा गया है।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज

कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए दिसंबर में शहर के आशीर्वाद भवन बैरन बाजार में परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष सम्मेलन का 7वां सीजन है। इस युवक-युवती परिचय सम्मेलन में देशभर से प्रतिभागी व उनके परिजन पहुंचेंगे। कान्यकुब्ज सभा द्वारा विवाह बंधन में बंधने वाले युवक-युवतियों को उनकी कुंडली मिलान व विवाह मुहूर्त के लिए पंडित भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए बॉयोडाटा से सुसज्जित पत्रिका आशीर्वाद के अंक का भी शीघ्र ही प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने समाज से अपील की है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों के बॉयोडाटा निःशुल्क प्रकाशन के लिए कार्यालय, आशीर्वाद भवन में जमा करें अथवा ईमेल आईडी का उपयोग कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज

छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच रायपुर के कार्यक्रम संयोजक कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि 10 व 11 जनवरी को अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन का 14वां वर्ष है। पिछले वर्ष सम्मेलन के माध्यम से करीब 700 युवक-युवती अपने मनपसंद जीवन साथी की तलाश किए थे। इस साल भी 1 हजार से अधिक प्रतिभागियों के सम्मेलन में शामिल होने का अनुमान है। इसकी तैयारी को लेकर युवा मंच के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सतनामी समाज

सतनामी समाज गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि 4 जनवरी को शहीद स्मारक भवन में राष्ट्र स्तरीय सतनामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन होगा। इसमें देशभर से प्रतिभागी शामिल होंगे। यह सम्मेलन का 10वां वर्ष है। यह एक हाईटेक परिचय सम्मेलन होगा। इस आयोजन से देश सहित विदेश में रह रहे समाज के प्रतिभागी भी लाइव जुड़ेंगे। वहीं, सामूहिक विवाह अप्रैल में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष 51 जोड़ों का विवाह बंधन का लक्ष्य रखा गया है।

छत्तीसगढ़ कलार समाज सभा

छत्तीसगढ़ कलार समाज सभा के शहर मंडल रायपुर के सचिव डॉ. कौशल सिन्हा ने बताया कि 25 दिसंबर को समाज के विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह आयोजन का 34वां वर्ष है, जिसमें देशभर से प्रतिभागी शामिल होंगे। इस वर्ष 51 जोड़ों का सामूहिक विवाह का लक्ष्य रखा गया है। सामूहिक विवाह राजधानी में आयोजित होगा।

कपल्स में बढ़ा कस्टम की-रिंग का क्रेज, पर्सनल टच बना खास

जेन-Z में पर्सनलाइज्ड सिलिकॉन फ्यूचुरिस्टिक स्टाइल की-रिंग का ट्रेंड

रायपुर। जेन-जी की पसंद तेजी से बदल रही है और अब वे बेसिक की-रिंग की बजाय यूनिक और क्रिएटिव डिजाइन वाली की-रिंग को प्राथमिकता देने लगे हैं। मॉडर्न और ट्रेंडी कार्टून कैरेक्टर के साथ ही यूनिकॉर्न, बीटीएस, होलोग्राफिक, फ्यूचुरिस्टिक स्टाइल, सिलिकॉन, बोल्ड टाइपोग्राफी थीम पर की-रिंग्स शहर के युवाओं में खासा आकर्षण बना रही हैं। शहर के कई दुकानों में अब स्पेशल की-रिंग सेक्शन सजाया जा रहा, जहां मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े शहरों से ट्रेंडिंग थीम के बेस्ट कस्टमाइज्ड और हैंडमेड की-रिंग जेन-जी की पहली पसंद है।

फैशन-फ्रेंडली डिज़ाइनों में खास कपल्स के लिए यूनिक डिजाइनर की-रिंग लाया जा रहा। दुकानदारों ने अनुसार अब सोशल मीडिया पर ट्रेंडी पर्सनलाइज्ड की-रिंग की डिमांड बढ़ने लगी है। यूथ खास दोस्तों और कपल्स के लिए की रिंग की डिमांड कर रहे। वे खास यादों के तौर पर की-रिंग देने लगे है, इसमें उनके फैवरेट कैरेक्टर या मैमोरी शामिल होता है। दिया है।

ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक

इन दिनों क्लिप-ऑन डिजाइन, बैग चार्म और सिलिकॉन थीम पर की-रिंग भी काफी ट्रेंड में है। इनमें स्पेशियल बैग चार्म कॉलेज गोइंग स्टूडेट्स में ट्रेंड कर रहा है। बैग चार्म में खास लाइन, पर्स, कॉफी, बैग डिजाइन जैसे कई स्पेशियल थीम पर तैयार किया जाता है, जो स्टोन के साथ होता है। यह देखने में यूनिक और स्टाइल लुक देता है।

कपल्स के बीच कस्टमाइज्ड की-रिंग

पहले जहां कार्टून कैरेक्टर वाली की-रिंग युवाओं में ट्रेंड करती थीं, वहीं अब कपल्स के बीच कस्टमाइज्ड की-रिंग का चलन बढ़ता जा रहा है। दुकान संचालक संजना अग्रवाल ने बताया कि कपल्स अपनी की-रिंग में मेमोरेबल और पर्सनल टच शामिल कराते हैं, ताकि यह उनके लिए खास और यादगार बन सके। इस नए ट्रेंड ने मार्केट में क्रिएटिविट और कस्टमाइज की-रिंग का ट्रेंड बढ़ा

एक्रिलिक की-चेन की डिमांड

दुकान संचालक कुणाल शर्मा ने बताया कि दुकान में होलोग्राफिक, फ्यूचुरिस्टिक स्टाइल, सिलिकॉन, बोल्ड टाइपोग्राफी के खास की-रिंग मौजूद है, जो स्पेशियल यूथ की डिमांड पर लाया गया है। इसमें फ्यूचुरिस्टिक स्टाइल में एक्रिलिक की-चेन की डिमांड अधिक है, इसकी कीमत 100 रुपए से 300 रुपए तक तय की गई।

विश्व धरोहर दिवस पर स्कूली बच्चों ने सिरपुर का किया भ्रमण

रायपुर। विश्व विरासत सप्ताह का आयोजन बुधवार को सिरपुर स्थित प्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर परिसर में उत्साहपूर्वक किया गया। यह कार्यक्रम विरासत संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गनवीर धम्मशील ने किया। विश्व विरासत सप्ताह 25 नवम्बर तक जारी रहेगा। श्री गनवीर ने सिरपुर की कला, स्थापत्य और पुरातात्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 7वीं शताब्दी में निर्मित ईंट का यह मंदिर प्रारंभिक मंदिर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण में नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य पीजी कॉलेज, महासमुंद के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मंदिर परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी में भारत और छत्तीसगढ़ के एएसआई संरक्षित स्मारकों के छायाचित्र तथा सिरपुर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की गई। पारंपरिक संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने क्षेत्र की समृद्ध कला-संस्कृति को जीवंत किया।

विरासत का संरक्षण रहेगा जारी

विद्यार्थियों के लिए विरासत संरक्षण, नैतिकता तथा स्मारक सुरक्षा पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, स्थानीय निवासी, पर्यटक और धरोहर प्रेमियों ने सहभागिता दी। स्थानीय प्रशासन और सांस्कृतिक समूहों के सहयोग से आयोजन ज्ञानवर्धक, रोचक और सफल रहा। वर्ष भर विरासत संरक्षण के प्रयासों को जारी रखने का संकल्प लिया गया।

विरासत संरक्षण में भागीदारी को प्रोत्साहन

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, रायपुर मंडल ने जानकारी दी कि विश्व विरासत सप्ताह के कार्यक्रम 25 नवम्बर तक जारी रहेगा। विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, विरासत जागरूकता कार्यशालाएं तथा स्वच्छता अभियान आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं में सांस्कृतिक सम्मान की भावना बढ़ाना और विरासत संरक्षण में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

गोदड़ीवाला धाम में संत-महंतों ने सजाया दिव्य दरबार, किया वैचारिक मंथन और दिया प्रशिक्षण

राज्य माता का सम्मान दिलाने संतों ने सजाया मंच, सेवकों के बीच गूंजा 'जो गौ काज करेगा- वही हृदय में राज करेगा'

कार्नर न्यूज

रायपुर। गोदड़ीवाला धाम में तीन दिवसीय गौ न्याय महोत्सव का आयोजन करने के लिए संत-महंतों ने दिव्य दरबार सजाया है। बृजबिहारी सरकार गौ न्याय महोत्सव में शामिल हुए। साथ ही, 11 राज्य और तीन देशों के गौ भक्तों को निःशुल्क गोमय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा बनने का भी अवसर दिया। संतों ने कहा कि भारत में 'जो गौ काज करेगा, वही हृदय में राज करेगा।' इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गौ संरक्षण, गौ सेवा की भावना जागृत करना और समाज में गौ संवर्धन को बढ़ावा देना है। इसमें देशभर के कई प्रतिष्ठित संत, महात्मा, गौ भक्त एवं समाजसेवी विशेष रूप से शामिल हुए।

जहां स्वार्थ हैं, वहां सेवा करना संभव नहीं

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में गौवंश क्री सेवा के महत्व को बताने और सेवभावी गौ संवर्धन का प्रचार एवं निकट भविष्य में पृथक गौ मंत्रालय के 9 बिन्दुओं पर जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस आयोजन क्री विशेष बात यह रही क्री इसको किसी एक संस्था या संगठन द्वारा आयोजित नहीं किया गया, बल्कि सभी गौभक्तों, गौसैनिकों, गौअंशों द्वारा ऐसी अद्भुत निष्काम पहल क्री गई, जो मिसाल के रूप मे देखी जा रही है। सर्व संगठन, सर्व समाज, सर्व सेवक और सेविकाओं द्वारा यह सत्यापित किया गया कि जहां सेवा हैं, वहां स्वार्थ ना हो एवं जहां स्वार्थ हैं, वहं सेवा करना संभव नहीं है।

गौवंश के बिना सृष्टि क्री कल्पना भी असंभव

यह महोत्सव समाज में गौ माता के प्रति श्रद्धा, सेवा और संरक्षण को मजबूत करने का प्रयास है। आयोजन समिति ने सभी गौभक्तों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पावन महोत्सव को सफल बनाने आग्रह किया। इससे नव प्रेरणाओं का जन्म हुआ। विशेषज्ञों ने यह दावा किया कि इस आयोजन के बाद सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में गौमय से सम्बंधित रोजगार में तेजी आएगी। प्रख्यात गौ ऋषि ने व्यासपीठ से सरकार से आग्रह किया कि जिस गौवंश के बिना हम सृष्टि क्री कल्पना तक नहीं कर सकते, ऐसी देवमयी वेदलक्षणा गौ को गौमाता घोषित किया जाए।

गौ सैनिक समागम संग गौ न्याय संगोष्ठी

देश में चर्चित गौ रक्षा क्री मिसाल पेश करने वाले गौ सैनिक विनीत पोरवाल भीलवाड़ा (राजस्थान) से अपने विशेष वाहन से पहुंचे। उनसे मिलने के लिए गौ सैनिक उत्साही नजर आए। उनके आशीष वचन से तृप्त हुए श्रद्धालुओं ने जयघोष किया। इनमें विशेष रूप से ज्योतिर्मायानन्द सरस्वती दंडी स्वामी, सिंधी समाज प्रमुख युधिष्ठिर लाल महाराज, गोदड़ीवाला धाम समिति प्रमुख अमर गिड़वानी एवं सर्व समाज के लोगों ने भी गौसेवा के संकल्प में बढ़-चढ़ कर शामिल हुए। गौ कथा एवं प्रसंग, गौ ऋषि एवं गौ सैनिक समागम के साथगौ न्याय संगोष्ठी का आयोजन प्रमुख रूप से किया गया। इसके अलावा सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में प्रतिदिन शाम सात से रात दस बजे तक आयोजित की जा रही।

सिटी स्पोर्ट्स

मुख्यमंत्री के हाथो हॉकी वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण

रायपुर। एफ आई एच जूनियर मेंस हॉकी वर्ल्ड कप 28 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित की जा रही है। हॉकी इंडिया, नई दिल्ली द्वारा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का देश के 16 राज्यों में भ्रमण कराया जा रहा है। जिसके तहत राजधानी रायपुर में ट्रॉफी का आगमन एयरपोर्ट में हुआ जंहा भव्य स्वागत किया गया।

तत्पश्चात ट्रॉफी को छत्तीसगढ़ हॉकी के पदाधिकारियों ने विधानसभा में ले जाया गया जंहा विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री, डॉ. रमन सिंह जी विधानसभा अध्यक्ष, तोखन साहू केंद्रीय मंत्री, अरुण सॉव खेल मंत्री छत्तीसगढ़ शासन तथा छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ।

अनावरण कार्यक्रम के मुख्य आतिथि विष्णुदेव साय ने अपने उध्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेल के प्रति जो कदम उठा रहे है वो सराहनीय है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने खेल के प्रति बड़ी ही रुचि दिखाते हुए कई योजनाएं खेल के लिए तैयार की है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत कई ऐसे खेल मैदान तैयार कर खिलाड़ियो के लिए एक नई पहचान दी है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फ़रीज़ अंसारी ने अपने स्वागत उद्बबोधन में बताया कि हॉकी इंडिया द्वारा राष्ट्रीय खेल के प्रति सारे देश मे अलख जगाने के लिए तथा जूनियर वर्ल्ड कप हॉकी के प्रचार प्रसार के लिए यह ट्रॉफी टूर का आयोजन किया गया है। ट्रॉफी टूर के स्वागत व अनावरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनीष श्रीवास्तव महासचिव छत्तीसगढ़ हॉकी, मृणाल चौबे (अंतराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी) अकरम खान, नीलम जैन, सुश्री आशा थॉमस, रणविजय प्रताप सिंह, मुश्ताक अली प्रधान, अमिताभ मानिकपुरी, रवि पारिख, शकील अहमद, अनीस राजा, तीरथ गोस्वामी, राजा खान, आर्यन श्रीवास्तव, विष्णुदेव चौबे, रश्मि तिर्की, अभिनव मिश्रा, रूपेश जायसवाल, कृष्णा यादव, धवल परमार,अमन नागवादिया और दीपांशु वर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अकरम खान ने किया तथा मनीष श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

तलवारबाजी में छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने जीता कांस्य

रायपुर। राजधानी नई दिल्ली में आयोजित 36वीं सीनियर राष्ट्रीय फेंसिंग (तलवारबाजी) प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने आख़िरी दिन बुधवार को फॉयल टीम इवेंट में कांस्य पदक जीत कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 15 नवंबर से जारी थी। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागी शामिल हुए। छत्तीसगढ़ फॉयल महिला टीम ने क्वार्टर फ़ाइनल में महाराष्ट्र को 45-39 अपना मेडल सुनिश्चित किया। सेमीफायनल मुकाबले में तमिलनाडु से 35-45 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा ।इसी के साथ तृतीय स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। टीम के सदस्य दिव्यांशु नेताम (भिलाई), दीपपांशी नेताम (भिलाई), माया साहू (दुर्ग) तथा लावण्या साहू (रायपुर) रहे. छत्तीसगढ़ सीनियर फेंसिंग टीम के कोच प्रवीण कुमार और मोहनीश वर्मा थे। इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.प्रकाश (आईएएस), सचिव बशीर अहमद खान, संयुक्त सचिव अखिलेश दुबे, निखिल जाम्बुलकर, कोषाध्यक्ष राम प्रताप गुप्ता एवं प्रशिक्षक वि.जॉनसन सोलोमन, प्रवीण कुमार और मोहनीश वर्मा ने शुभकामनाएं दी है।

एथलेटिक्स में कंचन को गोल्ड

रायपुर। महासमुंद जिले के स्वामी आत्मानंद आदर्श अंग्रेज़ी माध्यम महाविद्यालय की छात्रा कंचन सेन ने सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की 20 किलोमीटर पैदल चाल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया है।यह प्रतियोगिता एम. वी.पी.जी. महाविद्यालय के तत्वाधान में 15 नवंबर को वन विभाग मैदान में आयोजित की गई थी, जिसमें परिक्षेत्र के 10 से अधिक महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कंचन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए चयन किया गया है. जो 5 से 7 दिसंबर को बिलासपुर में आयोजित होगी।कंचन की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने बधाई देते हुए इसे कॉलेज एवं जिले के लिए गौरव का विषय बताया। यह जानकारी क्रीड़ा अधिकारी तृपेश साहू द्वारा दिया गया।

आप अपनी चिंता में डूबे हैं और दुनिया को खबर नहीं, जानिए इसके लक्षण

कहीं आप भी तो नहीं हैं हाई फंक्शन एंग्जाइटी के शिकार, अच्छी नहीं ऐसी दिमागी हालत

उच्च कार्यशील चिंता यानि हाई फंक्शन एंग्जाइटी एक ऐसी मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति मानसिक दबाव, चिंता और तनाव का सामना करता है, लेकिन बाहरी दुनिया को इसकी पहचान नहीं हो पाती है। क्योंकि वह अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाता है, कामकाजी जीवन में समान्य रहता है, जिससे लोगों को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती है।

क्या होता है हाई फंक्शन एंग्जाइटी

हाई फंक्शन एंग्जाइटी की समस्या झेलने वाला शख्स सामाजिक रूप से एक्टिव रहता है, लेकिन भीतर से वह मानसिक और भावनात्मक रूप से तनावपूर्ण स्थिति का सामना कर रहा होता है। यह एक प्रकार की अनकहा या छुपा हुआ तनाव हो सकता है, क्योंकि बाहरी रूप से व्यक्ति अपने कार्यों और व्यवहार में सफलता का प्रदर्शन करता है, जबकि भीतर से वह चिंतित होता है।

हाई फंक्शन एंग्जाइटी के होते हैं कई लक्षण

हाई फंक्शन एंग्जाइटी के कई लक्षण होते हैं जिससे पता चल सकता है कि कोई व्यक्ति इसका शिकार है या नहीं? इन लक्षणों में

व्यक्ति को छोटी-छोटी बातों को लेकर भी अत्यधिक चिंता होती है, जैसे कि कार्यों को पूरा करना, या किसी घटना के बारे में बार-बार सोचने का मन करना।

फोकस करने में आती है परेशानी

हर काम को पूर्णतया सही करने की कोशिश करना और यह डर होना कि कुछ गलत हो सकता है। इस वजह से व्यक्ति अधिक तनाव महसूस करता है। इस समस्या में आपको हर चीज में फोकस करने में परेशानी होगी। ऐसे में किसी भी चीज पर ध्यान लगा पाना काफी मुश्किल हो सकता है।

खुद का कॉन्फिडेंस खो देना

भले ही व्यक्ति बाहर से सफल दिखाई दे, लेकिन भीतर उसे अपनी क्षमताओं और निर्णयों पर संदेह होता है। वह खुद को हमेशा असंतुष्ट महसूस करता है। ऐसे में व्यक्ति अपना कॉन्फिडेंस खोने लगता है। उसे खुद पर शक होने लगता है साथ ही फैसले लेने में भी परेशानी होती है।

होती है नींद की समस्याएं

रात को सोते समय दिमाग में लगातार विचार चलते रहते हैं, जिससे नींद में खलल पड़ता है। कभी-कभी नींद की कमी या अत्यधिक थकावट भी हो सकती है। हालांकि व्यक्ति अपने कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करता है, लेकिन उसे लगता है कि समय की कमी हो रही है, और वह हमेशा घबराया हुआ रहता है कि किसी चीज़ को मिस न कर दे।

हाई फंक्शन एंग्जाइटी का इलाज

हाई फंक्शन एंग्जाइटी का इलाज समय पर पहचानने और उचित तरीके से समाधान ढूंढने से किया जा सकता है। इसमें कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी), मेडिटेशन, आत्म-देखभाल (सेल्फ केयर) और कभी-कभी दवाइयां शामिल हो सकती हैं। यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखे और जब जरूरत हो तो किसी मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से मदद लें।

अंतर महाविद्यालयीन बैडमिन्टन में प्रगति कॉलेज का दोनों ही वर्गों में विजय अभियान जारी

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रगति कॉलेज द्वारा आयोजित अंर्तमहाविद्यालयीन सेक्टर स्तरीय बैडमिन्टन स्पर्धा का आयोजन पुलिस लाईन स्थित बैंडमिन्टन हॉल पेंशन बाडा रायपुर में किया गया। उद्घाटन के इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर ने मानव जीवन में खेल के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि स्पर्धा मानव जीवन का एक आवश्यक अंग है बिना स्पर्धा के मानव जीवन नीरस है अतः स्पर्धा का होना अति आवश्यक है, किसी भी स्पर्धा में पूरे मन व जोश से उतरना चाहिए चाहे परिणाम कुछ भी रहे। खेल में भाग लेना ज्यादा महत्वपूर्ण है, खेल में जीतने या हारने से। प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर ने सभी खिलाड़ियों को अनुशासन व खेल को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। खेल से विद्यार्थी का सर्वागींण विकास होता है। खेल जहाँ एक ओर अनुशासन सीखाता है वही दूसरी ओर नेतृत्व के गुणो का विकास करता है।

बुधवार को खेले गये मैचों में महिला वर्ग में पहला मैच पैलोटी और विप्र कॉलेज के मध्य हुआ जिसमें विप्र कॉलेज 2-0 से विजय रही। दूसरा मैच गुरूकुल कॉलेज और यूटीडी रायपुर के मध्य हुआ जिसमें यूटीडी रायपुर 2-0 से विजय रही। तीसरा मैच प्रगति कॉलेज एवं डागा कॉलेज के मध्य हुआ जिसमें प्रगति कॉलेज 2-0 से विजय रही। इस ग्रुप में अगला मैच प्रगति कॉलेज और शासकीय पी.जी.कॉलेज आंरग के मध्य हुआ जिसमें प्रगति कॉलेज 2-0 से विजय रही। महिला वर्ग में पहला सेमीफाइनल मैच शासकीय दुब महिला महाविद्यालय और विप्र कॉलेज के मध्य हुआ जिसमें शासकीय दुब महिला महाविद्यालय 2-1 से विजय रही। महिला वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल मैच प्रगति कॉलेज और यूटीडी रायपुर के मध्य हुआ जिसमें प्रगति कॉलेज 2-0 से विजय होकर फाईनल में प्रवेश किया।

पुरूष वर्ग में पहला मैच यूटीडी रायपुर और दुर्गा कॉलेज के मध्य हुआ। जिसमें यूटीडी रायपुर 3-0 से विजय रही। दूसरा मैच शासकीय सांईस कॉलेज रायपुर और विवेकानंद कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें विवेकानंद कॉलेज 3-0 से विजय रहा। पुरूष वर्ग का अगला मैच सेंट विसेंट पैलोटी कॉलेज और शासकीय राजीव लोचन कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें पैलोटी कॉलेज 3-0 से ने जीत दर्ज की। पुरूष वर्ग का अगला मैच प्रगति कॉलेज और महाराजा अग्रसेन कॉलेज समता कालोनी के मध्य हुआ जिसमें प्रगति कॉलेज ने 3-0 से विजय दर्ज की। इस अवसर पर प्रकाश चन्द्रवंशी, रूपेन्द्र चैहान, रामानंद यदु, डॉ. प्रमोद मेने, विजय शर्मा, डॉ. कर्मिष्ठ संभंरकर, डॉ. देवाशीष हाजरा, रीना ध्रुव, रिंकु तिवारी और जानकी साहू आदि उपस्थित थे।

रात की बची हुई दाल से बनाएं लजीज नाश्ता

आप बची हुई दाल से ऐसी रेसिपी बना सकती हैं, जो हेल्दी और टेस्टी तो होगी ही, साथ ही किसी को पता भी नहीं चलेगा कि ये रात के बचे खाने से तैयार की गई है। बच्चे से लेकर बड़े तक सभी बहुत स्वाद लेकर इसे खाएंगे। इस लेख में जानिए रात की बची दाल से क्या और कैसे बना सकते हैं।

दाल पैनकेक

बची हुई दाल में बेसन मिला लें। ध्यान रखें कि बैटर बहुत गाढ़ा या बहुत पतला न हो। इसमें कटी हुई सब्जियां, हरी मिर्च, हरा धनिया और मसाले मिलाएं। एक नान स्टिक पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें। सतह पर थोड़ा तेल या घी डालें। जब पैन गर्म हो तो एक चम्मच बैटर पैन में डालें और धीरे से फैलाएं। पैनकेक को हल्के आंच पर सुनहरा भूरा और कुरकुरा होने तक पकाएं। निचला भाग पक जाए तो स्पैटुला का उपयोग करके पलटें और दूसरी ओर से सुनहरा होने तक पकाएं।

दाल टिक्की

बची हुई दाल में उबले आलू मैश करें। इसमें एक चम्मच बेसन, कटा हुआ प्याज और लहसुन-अदरक का पेस्ट मिलाएं। जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर मिलाकर अच्छे से बैटर तैयार कर लें इस मिश्रण की गोल टिक्की बना लें और हाथों से दबाकर ठंडा कर लें पैन में तेल लगाकर टिक्की को सेंके।

रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ को पहली पारी की बढ़त

रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की टीम का पांचवा मैच अटल बिहारी वाजपेजी स्टेडियम, अमतर में हिमाचल प्रदेश टीम के विरुद्ध खेला गया।छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 158 ओवरों में 6 विकेट खोकर 585 रन बनाकर घोषित कर दी। हिमाचल ने अपनी पहली पारी में 141 ओवरों में 10 विकेट खोकर 425 रन बनाये। हिमाचल की ओर से ए आर कलसी ने 204 रनों की शानदार पारी खेली तथा एन गंगता ने 77 रन बनाये।

वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण ने 6 विकेट प्राप्त किये। आदित्य सरवटे ने 2 विकेट प्राप्त किये। मैच की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में बिना नुकसान के 5 ओवर में 15 रन बनाये। मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। छत्तीसगढ़ ने पहली पारी की बढत प्राप्त की। छत्तीसगढ़ के रवि किरण प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।

सीएससीएस अंडर-14 क्रिकेट में रोमांचक दौर

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ सीएससीएस द्वारा आयोजित अंडर-14 एलिट ग्रुप दो दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले दिन रोमांचक मुकाबले हुए। राजनांदगांव में टीम बिलासपुर के विरुद्ध भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन की टीम बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी 167 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में बिलासपुर ने पहली पारी 5 विकेट पर 114 रन बनाए।

बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम रायगढ़ के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए रायपुर टीम पहली पारी में 75 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ टीम पहली पारी में पांच रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में रायपुर टीम दूसरी पारी में 65 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में रायगढ़ ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 17 रन बनाए। धमतरी में टीम रायपुर ब्लू के विरुद्ध बल्लेबाजी में राजनंदगांव टीम पहली पारी में 62 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायपुर ब्लू ने पहली पारी चार विकेट पर 163 रन बनाए। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम प्लेट कंबाइंड के विरुद्ध जशपुर टीम पहली पारी में 17 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में प्लेट कंबाइंड ने 8 विकेट पर 293 रन के साथ पारी घोषित कर दी। बल्लेबाजी में जशपुर ने दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाए एक विकेट लिए।

अंडर-19 में प्लेयर ऑफ द मैच रहे यश

भिलाई। गोविंद चौहान क्रिकेट एकेडमी एवं एनसीए के संयुक्त तत्वाधान में अंडर-19 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता कल्याण कॉलेज मैदान सेक्टर-7 में जारी है। दूसरे दिन बुधवार को महासमुंद के विरुद्ध क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी ने दो विकेट से जीत दर्ज की। बल्लेबाजी में महासमुंद टीम 226 रन पर आउट हुई। जिसमें आयुष द्विवेदी ने शानदार 124 रन बनाएं। राहुल चंद्राकर ने 30 रन और उज्जवल अग्रवाल ने 22 रन बनाए। गेंदबाजी में क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी के यश यदु ने 3 विकेट, सम्यक वर्मा ने 2, चंद्र भूषण एवं आशीष शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। तीन खिलाड़ी रन आउट हुए। बल्लेबाजी में क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी ने 8 विकेट पर 230 रन बनाए। कप्तान चंद्र भूषण ने 64 रन, आशीष शर्मा ने 41 रन और यश यदु ने नॉट आउट 34 रन बनाए। गेंदबाजी में महासमुंद के मेहुल देवांगन ने 2 विकेट, मनोज पटेल, यशस्वी साहू, आयुष द्विवेदी, समरेश जोशी एवं अनमोल द्विवेदी ने 1-1 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ़ द मैच यश यदु, मैच के अंपायर पियूष साहू एवं नुगेश्वर डहरिया, स्कोर विनोद देवघरे एवं सौरभ शोम थे।

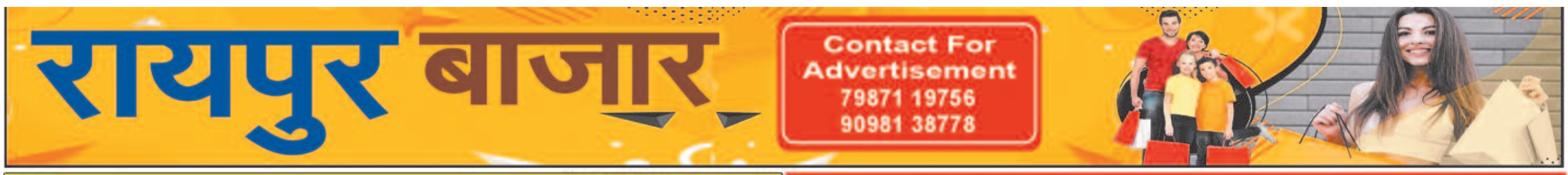

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

रैपर निकी ने संयुक्त राष्ट्र में उठाया गंभीर मुद्दा, राष्ट्रपति ट्रंप को कहा शुक्रिया

रैपर निकी मिनाज संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम में नाइजीरिया के ईसाइयों से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा उठाया है। साथ ही इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी सराहा है। दरअसल, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि नाइजीरिया में ईसाइयों को सताया जा रहा है। इस बात को निकी मिनाज ने भी संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में कहा है। त्रिनिदाद में जन्मी निकी मिनाज ने ट्रंप को शुक्रिया भी कहा क्योंकि इतने जरूरी मुद्दे पर उन्होंने बात की। इस महीने शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाइजीरिया में ईसाइयों को सताए जाने का मुद्दा उठाया। सोशल मीडिया पर भी उन्होंने यह बात कही, जिस पर निकी मिनाज ने भी रिएक्शन दिया था। इस मुद्दे के चर्चा में आने के बाद संयुक्त राष्ट्र में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें निकी ने अमेरिकी मिशन के एक पैनल में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज और रिलीजियस लीडर के साथ बात की। वह कहती हैं, 'दुख की बात है कि यह समस्या न केवल नाइजीरिया में बल्कि दुनिया भर के कई अन्य देशों में भी बढ़ती जा रही है।' मिनाज ने कहा कि वह यह बात साफ करना चाहती थीं कि नाइजीरिया में ईसाइयों की रक्षा का मतलब किसी का पक्ष लेना या लोगों को बांटना नहीं है। वह कहती हैं, 'यह लोगों को एकजुट करने के बारे में है।' उन्होंने नाइजीरिया को गहरी आस्था और परंपराओं वाला एक खूबसूरत देश बताया, जिसे देखने के लिए वह बेताब हैं। निकी मिनाज ने आगे कहा, 'धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब है कि हम सभी अपने धर्म का पालन कर सके, चाहे हम कोई भी हों, हम कहीं भी रहते हों और हमारी आस्था कुछ भी हो।'

टॉलीवुड

अभिनेत्री तुलसी ने फिल्मों को कहा अलविदा इंस्टाग्राम पोस्ट में सभी को बोला- 'थैंक्यू'

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री तुलसी ने फिल्मों से अपने संन्यास की घोषणा कर दी है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई पोस्ट के जरिए अपने लगभग छह दशक लंबे करियर पर विराम लगाने की जानकारी दी है। तुलसी ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। अब उनके फिल्मों से रिटायरमेंट के एलान ने उनके प्रशंसकों को निराश कर दिया है। हालिया वर्षों में अपनी मां की भूमिकाओं के लिए मशहूर तुलसी ने सबसे पहले साईं बाबा के चरणों की एक तस्वीर वाली एक आध्यात्मिक पोस्ट के साथ अपने फैसले की ओर इशारा दिया। साथ में कैप्शन में लिखा था, 'मेरी और मेरे बेटे साईं की रक्षा और मार्गदर्शन करो। हे देवा हे साईंनाथ।' इसके तुरंत बाद एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करें। आपको किसी को अपनी भावनाओं को समझाने या उचित ठहराने की आवश्यकता नहीं है, बस अपने आंतरिक मार्गदर्शन पर भरोसा करें; यह सबसे अच्छा जानता है।'तुलसी ने आखिरकार एक और पोस्ट में अपने रिटायरमेंट का साफतौर पर एलान किया। उन्होंने लिखा, 'इस 31 दिसंबर को शिरडी दर्शन के क्रम में मैं अपने लिए रिटायरमेंट की कामना करती हूं और साईंनाथ के साथ शांतिपूर्वक अपनी यात्रा जारी रखूंगी। मैं जीवन को साईराम सीखने में मेरी मदद करने के लिए सभी का धन्यवाद करती हूं।' तुलसी ने 1967 की तेलुगु फिल्म 'भार्या' से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बाल कलाकार के रूप में उनका आधिकारिक करियर 1973 में के. बालाचंदर की फिल्म 'अरंगेत्रम' से शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों 'सीतामलक्ष्मी' (1978), 'शंकरभरणम' (1979) और 'मुद्दा मंदरम' (1981) शामिल हैं। अपने बाद के करियर में तुलसी सहायक भूमिकाओं में एक प्रमुख भूमिका निभाने लगीं और उन्होंने कमल हासन, रजनीकांत, मोहनलाल, चिरंजीवी और विजय सेतुपति जैसे दिग्गजों के साथ काम किया।

भोजपुरी

'यूपी वाली बिहार वाली' फिल्म के सेट पर रानी के साथ हुआ प्रैंक, अचानक चीख उठीं एक्ट्रेस

अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'यूपी वाली बिहार वाली' की शूटिंग में बिजी हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें रानी की को-स्टार उनके साथ प्रैंक करती दिख रही है।

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी का पर्दे पर रौबदार अंदाज नजर आता है। वे पुलिस वाले की भूमिका अदा करें या बहू के रोल में नजर आएं, दमदार आवाज से दिल जीत लेती हैं। मगर, असल जिंदगी में वे ऐसी हैं कि एक खरगोश देखकर भी डर से चीख उठीं। उनका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल है। चर्चित भोजपुरी अभिनेत्री संजना पांडे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। दोनों एक्ट्रेस फिल्म के सेट पर हैं। संजना अपनी साड़ी के पल्लू में एक खरगोश के बच्चे को छिपाकर रानी के पास जाती हैं। रानी के सामने अचानक खरगोश के बच्चे को दिखाते हैं। देखकर रानी अचानक चिल्लाने लगती हैं और छिपने की कोशिश करती हैं। वीडियो के साथ संजना ने कैप्शन लिखा है, 'कभी कभी सेट पर मैं प्रैंक कर देती हूं। 'यूपी वाली बिहार वाली' के सेट पर मैंने खूबसूरत रानी चटर्जी को डरा दिया'। संजना के पोस्ट पर रानी ने कमेंट किया है, 'बदमाश लड़की'। इसके अलावा एक अन्य वीडियो खुद रानी चटर्जी ने शेयर किया है। इसमें वे पेड़ से आंवले तोड़कर खाती नजर आ रही हैं। रानी चटर्जी की फिल्म की शूटिंग किसी गांव में हो रही है।

लैक्मे फैशन वीक आधिकारिक तौर पर भले ही समाप्त हो गया है लेकिन इस सीज़न के टॉप ट्रेंड्स चर्चा में है।दरअसल, इस सीज़न में बालों की स्टाइल ने दर्शकों का अपनी ओर ज्यादा ध्यान खींचा। दर्शकों ने इसका भरपूर आनंद भी लिया। कुछ बेहद शानदार हेयरस्टाइल के साथ ढेर सारी हेयर एक्सेसरीज़ भी थीं। इनमें बालों को फूलों, रिबन, हेडगियर, कैप, स्कार्फ और यहाँ तक कि ब्रोच जैसे आभूषणों से सजाया गया था।

बालों को लंबा और घना बनाने में मददगार है आंवला

बालों को घना और मजबूत बनाने के लिए आंवला का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जा सकता है। इसमें विटामिन सी, आयरन, और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो बालों को पोषण देते हैं, जिससे बाल घने, मजबूत और चमकदार बनते हैं। दरअसल, आंवला विटामिन सी, एंटीऑक्सिडेंट्स और कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिस वजह से ये बालों के लिए काफी लाभदायक होता है। ऐसे में यदि इसका सही तरह से इस्तेमाल किया जाए तो इससे बाल आंतरिक रूप से मजबूत बन सकते हैं।

आंवला तेल से बालों की मालिश

आप चाहें तो आंवला तेल बनाकर आप इससे बालों की मलिश कर सकते हैं। तेल बनाने के लिए सबसे पहले सूखे आंवले के टुकड़े लें और इन्हें नारियल या सरसों के तेल में उबालें। जब तेल का रंग गहरा हो जाए, तो इसे ठंडा करके छान लें। अब इस तेल को ठंडा करके आप हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आंवले का तेल बालों को जड़ से मजबूत पहुंचाता है। इससे बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

आंवला पाउडर और दही का हेयर मास्क

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में 2-3 चम्मच आंवला पाउडर लें और उसमें पर्याप्त मात्रा में दही मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस मिश्रण को बालों की जड़ों और सिरों पर लगाएं। मास्क को 30-40 मिनट तक लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। आंवला और दही का मास्क बालों को पोषण देता है, ड्रायनेस कम करता है और बालों को घना बनाता है। ये मास्क सर्दियों में बालों को मजबूत बनाता है।

आंवला और मेथी का हेयर पैक

इस हेयर पैक को तैयार करने के लिए आपको दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले 2 चम्मच आंवला पाउडर और 1 चम्मच मेथी पाउडर को पानी में भिगोकर रातभर छोड़ दें। सुबह उठकर इसका पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को बालों में जड़ों से सिरे तक लगाएं और 30 मिनट बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें। आंवला और मेथी दोनों बालों की ग्रोथ बढ़ाते हैं, बालों को घना बनाते हैं और बालों की मजबूती में सुधार करते हैं।

सर्दियों में साड़ी पहनते समय अपनाएं ट्रिक्स, नहीं लगेगी ठंड

सर्दियां शुरू हो गयी है। सर्दियां लगभग सबको पसंद होती है। इस मौसम में शादी पार्टी का मज़ा ही कुछ और होता है लेकिन ज्यादा ठंड महिलाओं के लिए मुसीबत बन जाती हैं क्योंकि सर्दी के मौसम में महिलाएं शादी के मौके पर खुद को स्टाइल नहीं कर पातीं। दरअसल, महिलाएं महंगे और स्टाइलिश एथनिक या पार्टी वियर कपड़े पहनती हैं लेकिन ठंड बढ़ने के कारण उन्हें स्वेटर या कोट आदि को ऊपर से कैरी करना पड़ता है। ऐसे में उनकी खूबसूरत ड्रेस स्वेटर के नीचे छिप जाती है। इसके अलावा अगर वह विंटर वियर नहीं पहनती तो ठंड और ठिठुरन से परेशान रहती हैं। ऐसे में सारा फैशन बेकार हो जाता है। इसलिए सर्दियों में किसी कार्यक्रम पर साड़ी पहनने वाली महिलाओं को फैशन के मामले में सबसे अधिक परेशानी होती है। आपको सर्दियों में शादी सीजन के लिए कुछ ऐसे टिप्स के जरूर जानना चाहिए, जिसे आजमा कर आप साड़ी को स्टाइलिश तरीके से कैरी कर सकती हैं और आपको ठंड से भी बच सकती हैं।

साड़ी के फैब्रिक का चयन

सर्दी के मौसम में साड़ी पहन रही हैं तो ऐसा फैब्रिक चुने तो मोटा हो। जैसे आप वेलवेट के कपड़े की साड़ी पहन सकती हैं। इस तरह की साड़ियां ठंड से बचाने में आपकी मदद करती हैं और लुक भी अच्छा दिखता है।

फुल स्लीव्स ब्लाउज पहनें

ठंड से बचने के लिए आप ब्लाउज स्टाइल का चयन करते समय ध्यान रखें कि ब्लाउज फुल स्लीव्स के हों। फुल स्लीव्स ब्लाउज फैशन के मुताबिक भी ट्रेंड में हैं। कई मौकों पर अभिनेत्रियों को पूरे बाजू वाले ब्लाउज में देखा जा चुका है।

लांग ब्लाउज कैरी करें

साड़ी के साथ लॉन्ग ब्लाउज भी पहन सकती हैं। लॉन्ग ब्लाउज का फैशन हमेशा रहता है। इस तरह के ब्लाउज के नीचे आप इनर या बॉडी वार्मर पहन सकती हैं।

इंडो वेस्टर्न साड़ी पहने

सर्दी के मौसम में आप इंडो वेस्टर्न साड़ी कैरी कर सकती हैं। ये एथनिक लुक को मॉडर्न टच देने के साथ ही ठंड से भी बचाएंगी।

ऑयली स्किन के लिए रामबाण है बेसन और नीम, ऐसे करें

अगर आपकी स्किन ऑयली है और आप उसकी नेचुरल तरीके से केयर करना चाहती हैं तो ऐसे में आप बेसन और नीम का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये दोनों इंग्रीडिएंट ऑयली स्किन के लिए रामबाण की तरह काम करते हैं।

नीम और बेसन से बनाएं स्क्रब

अपनी स्किन को नेचुरल तरीके से एक्सफोलिएट करने के लिए आप नीम और बेसन की मदद से स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करें।

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले, नीम पाउडर, हल्दी और बेसन को मिक्स करें।अब इसमें थोड़ा-थोड़ा करके गुलाब जल मिलाएं और फिर पेस्ट बना लें। तैयार मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर सर्कुलर मोशन में रगड़ें।अंत में, गुनगुने पानी से धो लें और फिर स्किन को मॉइश्चराइज करें।

बेसन और नीम से बनाएं फेस मास्क

यह फेस मास्क अतिरिक्त ऑयल को कंट्रोल करने में काफी मदद करता है। साथ ही साथ, इससे आपके चेहरे पर ग्लो भी आता है।

फेस मास्क बनाने का तरीका-

बेसन, नीम पाउडर और शहद को मिलाकर पेस्ट बना लें।तैयार पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और फिर 15 मिनट के लिए छोड़ दें।अंत में, फिर गुनगुने पानी से धोकर स्किन को मॉइश्चराइज करें।

नीम और बेसन से बनाएं नाइट क्लींजर

रात को सोने से पहले स्किन को साफ करना बेहद जरूरी है। ऐसे में आप नीम और बेसन की मदद से नाइट क्लींजर बनाएं।

दांतों का पीलापन दूर कीजिए घरेलू नुस्खे से, होगा फायदा

पीले दांत न केवल आपकी खूबसूरती को प्रभावित करते हैं बल्कि आपकी आत्मविश्वास में भी कमी ला सकते हैं। दांतों को सफेद और चमकदार बनाने के लिए आप बहुत से घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू

इसके इस्तेमाल के लिए 1/2 चम्मच बेकिंग सोडा में कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाएं। अब इसे टूथब्रश पर लगाकर दांतों पर हल्के हाथों से रगड़ें। दो मिनट के बाद कुल्ला कर लें। आप इसका इस्तेमाल हर रोज कर सकते हैं।

नारियल तेल

ऑयल पुलिंग की मदद से भी आप अपने दांत साफ कर सकते हैं। इसके लिए 1-2 चम्मच नारियल तेल को मुंह में रख लें। इसके बाद 10-15 मिनट तक इसे मुंह में घुमाएं। इसके बाद कुल्ला करें और फिर ब्रश करें। इससे आपका मुंह भी साफ होगा।

हल्दी और नारियल तेल का मिश्रण

इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले 1 चुटकी हल्दी में 1 चम्मच नारियल तेल मिलाएं। अब इस पेस्ट को ब्रश की मदद से दांतों पर लगाएं। दो मिनट के बाद कुल्ला कर लें। इससे भी दांतों का पीलापन कम होता है और ये मुंह के बैक्टीरिया को भी खत्म करता है।

सेब का सिरका

इसका इस्तेमाल करना भी काफी सरल है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले 1 चम्मच सेब के सिरके को पानी में मिलाएं। इससे दिन में एक बार कुल्ला करें। ये दांतों के दाग-धब्बे भी दूर करता है।

कार्नर न्यूज

मेंस फैशन में पारंपरिक और मॉडर्न लुक दोनों ही ठीक

दिखना है स्मार्ट और स्टालिश तो खुद को ऐसे करें तैयार, नजरें टिकी रहेंगी आप पर

किसी भी त्यौहार या शादियों के मौके पर खुद को परफेक्ट लुक देने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी होता है। इन मौकों पर मेंस फैशन में पारंपरिक और मॉडर्न दोनों तरह के कपड़े अच्छे होते हैं। इन मौकों पर कुर्ता-पायजामा को सबसे अधिक पहना जाता है। यह एक पारंपरिक और आरामदायक विकल्प है। रंग-बिरंगे कुर्ते और कढ़ाई वाले पायजामे अच्छे लगते हैं।

स्मार्ट और अट्रैक्टिव दिखने के लिए क्या करें

महिलाओं की तरह पुरुष भी अक्सर त्योहारों के दौरान स्टाइलिश तरीके से अलग दिखने के तरीके खोजते हैं। ज्यादातर त्योहारों के दौरान महिलाओं के पहनावे पर ज़्यादा ज़ोर दिया जाता है। ऐसे में पुरुषों के फैशन को अनदेखा कर दिया जाता है। हालांकि, इस अवसर पर पुरुषों द्वारा कुछ खास स्टाइल अपनाने से उनका रूप-रंग बदल सकता है, जिससे वे स्मार्ट और अट्रैक्टिव दोनों दिख सकते हैं।

नेहरू जैकेट है बेहतर आप्शन

नेहरू जैकेट के साथ कुर्ता पहनने से एक पॉलिश और अट्रैक्टिव लुक मिलता है। नेहरू जैकेट भारतीय पोशाक का एक अहम हिस्सा है। कुर्ते में हल्के रंगों का चयन करना और उन्हें नीले, हरे या भूरे जैसे रंगों में गहरे नेहरू जैकेट के साथ पूरक करना एक ऐसा लुक तैयार कर सकता है जो क्लासी और ऑन-ट्रेंड दोनों होता है।

कढ़ाई की खूबसूरती को अपनाएं

जिन लोगों को डिज़ाइन पसंद है, उनके लिए कढ़ाई वाले कुर्ते एक बेहतरीन विकल्प हैं। इन कुर्तों पर किया गया विशेष काम परंपरा का मिश्रण लाता है, जो दीवाली समारोहों के लिए आदर्श है। कढ़ाई वाले कुर्ते का चयन करके पुरुष त्यौहार की थीम के अनुरूप रहते हुए अपना फैशनेबल रूप दिखा सकते हैं।

शेरवानी और डिजाइनर जैकेट

अगर आप थोड़े अधिक फॉर्मल लुक में जाना चाहते हैं, तो शेरवानी पहन सकते हैं। यह खास अवसरों के लिए बहुत अच्छा होता है। इसके अलावा कुर्ते के ऊपर एक अच्छा सा डिजाइनर जैकेट भी पहन सकते हैं। यह लुक को और भी स्टाइलिश बना देता है।

परंपरा और फैशन के बीच संतुलन बनाना जरूरी

त्यौहार और शादियां ऐसे मौके होते हैं जब हर व्यक्ति अपने सबसे अच्छे रूप में दिखना चाहता है। पुरुषों के लिए इसका मतलब है परंपरा और मौजूदा फैशन के बीच सही संतुलन बनाना ताकि एक ऐसा लुक तैयार किया जा सके जो स्टाइलिश और अनोखा दोनों हो।